जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक-273 ● जबलपुर ● बुधवार, 4 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 10 ● विक्रम संवत् 2083

आत्म-नियंत्रण जीवन की असली शक्ति है। इसे मजबूत बनाना रोज़ का काम है।

असम के हॉस्टल में दूषित पानी पीने से 52 स्टूडेंट बीमार, टंकी में मरा हुआ बंदर मिलने से हड़कंप!

गुवाहाटी, ईएमएस। असम में गुवाहाटी स्थित असम इंजीनियरिंग कॉलेज के 50 से ज्यादा स्टूडेंट उसके हॉस्टल की टंकी का पानी पीने से बीमार पड़ गए, जिसमें कथित रूप से एक मरा हुआ बंदर मिला था। यह घटना गुवाहाटी के जालुकबारी में स्थित कॉलेज के हॉस्टल नंबर सात की है, जहां दुर्गा पूजा की छुट्टियों से लौटने के बाद से ही स्टूडेंट पानी से बदबू आने की शिकायत कर रहे थे।गवर्मेंट आयुर्वेदिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य प्रणवज्योति वैश्य के मुताबिक, पेट दर्द, उल्टी और बुखार की शिकायतों के साथ 52 स्टूडेंट्स को अस्पताल लाया गया था। उन्होंने आगे कहा, चड्डमरजेंसी डिपार्टमेंट में उनकी जांच और इलाज किया गया। 3 स्टूडेंट्स को बेहतर इलाज के लिए अन्य हॉस्पिटल भी भेजा गया था। हालांकि, किसी को भी हॉस्पिटल में एडमिट करने की जरूरत नहीं पड़ी और सभी 52 स्टूडेंट्स की हालत स्थिर है।





अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को बड़ा झटका

दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का कब्जा

डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत, पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में सत्ता परिवर्तन का सपना देखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में राजनीतिक झटका लगा है। विदेश में सैन्य कार्रवाई और सख्त नीतियों के जरिए अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे ट्रंप को मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में जनता ने बड़ा संदेश दिया है। चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने संसद के दोनों सदनों- सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत हासिल कर लिया है। इस नतीजे के साथ ही अमेरिकी राजनीति का सत्ता संतुलन बदल गया है और ट्रंप प्रशासन के सामने आगामी दो वर्षों में विधायी मोर्चे पर बड़ी चुनौतियां खड़ी होने के आसार हैं।



मिडटर्म चुनाव के नतीजों को ट्रंप सरकार के दो साल के कामकाज, विदेश नीति, आर्थिक फैसलों और ईरान के साथ जारी युद्ध के प्रति जनता की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे ईरान युद्ध एक कारण हो सकता है। चुनाव परिणामों ने साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति की लोकप्रियता और उनकी नीतियों को लेकर मतदाताओं में असंतोष बढ़ा है। खास बात यह रही कि डेमोक्रेट्स ने उन राज्यों और क्षेत्रों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें दशकों से रिपब्लिकन पार्टी का अभेद्य किला माना जाता रहा है।

मैं मैदान में होता तो भारी बहुमत से जीतते -ट्रंप

चुनाव में पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिक्रिया में खुद को नतीजों से अलग रखने की कोशिश की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यदि वह खुद चुनाव मैदान में होते तो रिपब्लिकन पार्टी भारी बहुमत से जीत हासिल करती। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और वह आगे की ओर देख रहे हैं। ट्रंप का बयान ऐसे समय आया है, जब चुनावी नतीजों ने उनकी राजनीतिक पकड़ और नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि उन्होंने परिणामों को स्वीकार करने और डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने की बात भी कही है।

रिपब्लिकन के मजबूत गढ़ों में भी सेंध

इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने केवल अपने परंपरागत प्रभाव वाले क्षेत्रों में ही जीत हासिल नहीं की, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के मजबूत गढ़ों में भी सेंध लगा दी। साउथ कैरोलिना में सीनेट सीट पर जीत को बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप यहां 18 प्रतिशत अंकों के अंतर से आगे रहे थे। इसके अलावा टेक्सास में भी डेमोक्रेट्स की सफलता ने रिपब्लिकन खेमे को चौंका दिया। यहां वर्ष 1994 के बाद राज्य स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी सफलता नहीं मिली थी। कंसास में भी डेमोक्रेट्स ने इतिहास रचते हुए जीत दर्ज की, जहां 1932 के बाद से कोई डेमोक्रेट सीनेटर निर्वाचित नहीं हुआ था।

सीनेट और प्रतिनिधि सभा में विपक्ष मजबूत

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त ने ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सीनेट की कुल 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए थे। नतीजों के बाद डेमोक्रेट्स के पास 52 सीटें हो गई हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी 41 सीटों पर सिमट गई है। दूसरी ओर, प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुए। यहां डेमोक्रेटिक पार्टी ने 218 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। गवर्नर पदों के चुनाव में भी डेमोक्रेट्स ने बेहतर प्रदर्शन किया। 26 राज्यों के घोषित परिणामों में 17 सीटों पर डेमोक्रेटिक और 9 पर रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी लहराया परचम

मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई। फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल जिले से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार पिया डांडिया ने जीत हासिल कर प्रतिनिधि सभा में जगह बनाई। वहीं वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल जिले से सुहास सुब्रमण्यम दोबारा निर्वाचित हुए। इन सफलताओं को अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के समुदाय की बढ़ती भागीदारी और प्रभाव के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत का महापर्व दीपावली 8 नवंबर को

भाई दो 11 नवंबर उदया तिथि अनुसार

दीपावली केवल एक दिन का त्योहार नहीं, पांच दिनों का महापर्व है

अरुणोदय पंचांग के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास ने बताए धनतेरस से भाई दूज तक के शुभ मुहूर्त और पौराणिक रहस्य





जबलपुर, यशभारत। दीपावली को लेकर जनमानस में अक्सर भ्रम रहता है कि यह केवल एक दिन का पर्व है। इस भ्रम को दूर करते हुए अरुणोदय पंचांग के प्रसिद्ध, प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास जी ने बताया कि दीपावली सनातन धर्म का सबसे बड़ा और प्रमुख महापर्व है जो पांच दिनों तक मनाया जाता है।

पंडित व्यास जी के अनुसार दीपावली के 5 दिन

1. धनतेरस (6 नवम्बर, शुक्रवार) – इस दिन 10 बजकर 46 मिनट से शुभ मुहूर्त रहेगा। भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा के साथ सोना, चांदी, जेवर, बर्तन और झाड़ू खरीदना अक्षय फलदायी होता है। सायंकाल धन लक्ष्मी पूजन होता है। इसी दिन अकाल मृत्यु निवारण हेतु यम दीपदान का विशेष महत्व है। घर के बाहर चार बत्तियों वाला तेल का दीपक यमराज के निमित्त रखना चाहिए।

2. नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली) - यमराज के नाम का दीया निकाला जाता है। रूप चौदस के रूप में सौंदर्य और स्वच्छता पर ध्यान दिया जाता है।

3. दीपावली (8 नवम्बर, रविवार) - मुख्य पर्व। प्रदोष व्यापिनी अमावस्या में लक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत है। इस वर्ष दिन 10:13 से पूजन मुहूर्त प्रारंभ होकर पूरी रात चलेगा। **व्यापारियों** के लिए दोपहर 1:30 से 3:15 तक स्थिर लग्न, शाम 6 से रात 8:10 तक स्थिर वृषभ लग्न का उत्तम मुहूर्त और रात 10:10 से 12:35 तक निशीथ काल तांत्रिक जप के लिए विशेष शुभ रहेगा।

4. गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) – भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र का मानमर्दन कर गोवर्धन पर्वत उंगली पर उठाने की लीला की याद में प्रकृति और गायों की पूजा।

5. भाई दूज (यम द्वितीया) - भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक। बहनें भाई के माथे पर तिलक कर लंबी उम्र की कामना करती हैं।पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पं. व्यास जी ने बताया:- श्रीराम आगमनः त्रेतायुग में भगवान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण 14 वर्ष वनवास और रावण वध के बाद इसी दिन अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने घी के दीयों से पूरी नगरी रोशन की थी।- माता लक्ष्मी प्राकट्यः समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक अमावस्या को ही धन और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था।- कृष्ण विजयः द्वापर में भगवान कृष्ण ने नरकासुर राक्षस का वध कर प्रजा को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी।धन लक्ष्मी प्राप्ति मंत्रः पं. व्यास जी ने बताया कि ॥ ? ह्रीं महालक्ष्म्यै च विद्महे, विष्णुपत्न्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात॥ मंत्र का जाप, खीर, पंचामृत, कमलगट्टा, वैजयन्ती से हवन और श्रीसूक्त पाठ करने से लक्ष्मी प्राप्ति होती है।

चक्रवात मुरासु कमजोर पड़ा आंध्र-तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली में छाएगी धुंध

नई दिल्ली ,यशभारत। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान मुरासु तटीय आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद तेजी से कमजोर पड़ गया है। यह डीप डिप्रेशन में तब्दील होने के बाद अब डिप्रेशन में बदलने की ओर बढ़ रहा है। हालांकि तूफान की तीव्रता कम होने के बावजूद आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने 4 नवंबर को भी कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के समय धुंध छाने और दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, मुरासु 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद जमीन के ऊपर आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से तूफान की ताकत लगातार कम हो रही है। 4 नवंबर की सुबह तक इसके डिप्रेशन में बदलने का अनुमान है। इस दौरान तूफान के केंद्र के आसपास हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति में भी लगातार कमी आएगी।

रिश्तों का कत्ल! जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को जिंदा जलाया

घरेलू कलह और ज़मीन के विवाद में देवरानी ने उठाया खौफनाक कदम

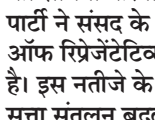
सागर, यशभारत । बीना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोदना में सोमवार देर शाम पारिवारिक रंजिश और ज़मीन के विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया। आरोप है कि घरेलू कलह के चलते देवरानी ने अपनी ही जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को आग के हवाले कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना में गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय गिरजाबाई ठाकुर को तुरंत बीना से लाकर सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, उनकी 13 वर्षीय बेटी की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बेहतर और उच्च स्तरीय उपचार के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

क्या है मामला?

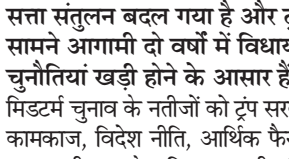
प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार में लंबे समय से घरेलू कलह और ज़मीन के बंटवारे को लेकर विवाद चला आ रहा था। सोमवार शाम यह विवाद इतना बढ़ गया कि देवर आकाश की पत्नी (देवरानी) काजल गोस्वामी ने कथित तौर पर गिरजाबाई और उनकी नाबालिग बेटी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। इतना ही नहीं, दोनों को आग की लपटों में घिरा छोड़कर कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। मां-बेटी की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को उपचार के लिए बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। बीना थाना प्रभारी अनूप सिंह यादव ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस की एक विशेष टीम बच्ची के बयान दर्ज करने के लिए भोपाल (हमीदिया अस्पताल) रवाना हो चुकी है। थाना प्रभारी के अनुसार, पीड़िता के बयानों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पारिवारिक कलह और जमीन विवाद सहित घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। हालांकि, फिलहाल आग लगाने के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।



ईगलबैटरी



सोलर इनवर्टर बैटरी



लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक

मो.न. 9200792000



Intenics
Solar And Hybrid Lighting
Save Electricity Save Wiring 2 year warranty*
Made In India



Inviting Distributers And Dealers
7880024499, 7880024466

विशुद्ध हेल्थ केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता- 2365, राईट टाउन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122

राजस्थान में ट्रेन उड़ाने की साजिश! पैसेंजर ट्रेन गुजरने के 45 मिनट बाद रेलवे ट्रैक पर भीषण धमाका

पाकिस्तानी नेटवर्क की आशंका, दो स्लीपर टूटे, पटरी के नीचे दो फीट गहरा गड्ढा; एटीएस, आईबी और बम निरोधक दस्ते ने संभाली जांच, चार ट्रेनें रद्द

अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक मंगलवार रात रेलवे ट्रैक पर हुए भीषण विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलखंड पर 50 जीबी गांव के पास रात करीब 9:45 बजे हुए धमाके से रेलवे पटरी के नीचे करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया और सीमेंट के दो स्लीपर क्षतिग्रस्त हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि इसी ट्रैक से रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजर चुकी थी। यानी ट्रेन के सुरक्षित निकलने के करीब 45 मिनट बाद विस्फोट हुआ। यदि धमाका ट्रेन के गुजरने के दौरान होता तो बड़ा रेल हादसा हो सकता था। पाकिस्तानी नेटवर्क की आशंका के बीच एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते ने जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने चार ट्रेनें रद्द कर दीं।



धमाके से दो स्लीपर टूटे, 200 मीटर तक सुनाई दी आवाज

विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज करीब 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास की ढाणियों में रहने वाले ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त मिली। इसके बाद रामसिंहपुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआती निरीक्षण में पटरी के नीचे गहरा गड्ढा, टूटे स्लीपर और आसपास बिखरी कंक्रीट सामग्री मिली। रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। एफएसएल विशेषज्ञों ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। जांच एजेंसियां विस्फोट की प्रकृति, इस्तेमाल की गई सामग्री और संभावित साजिश के पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के मुताबिक मामले की जांच जारी है। फिलहाल विस्फोट के पीछे जिम्मेदार लोगों और उनके मकसद का खुलासा नहीं हुआ है।

ड्रोन से विस्फोटक मंगाने वाले नेटवर्क पर भी नजर

जांच के दौरान पाकिस्तान से जुड़े हथियार और विस्फोटक तस्करी नेटवर्क की गतिविधियां भी चर्चा में हैं। जानकारी के मुताबिक कुलवंत सिंह नामक आरोपी ने कथित तौर पर 12 अक्टूबर की रात रावला सीमा के पास ड्रोन के जरिए तीन खेपों में हथियार और विस्फोटक मंगवाए थे। इनमें करीब 7.750 किलो विस्फोटक, दो जिगाना पिस्तौल, चार मैगजीन, 650 से अधिक कारतूस और रिमोट शामिल होने की बात सामने आई है। पंजाब पुलिस कुलवंत सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि, रेलवे ट्रैक विस्फोट में उसकी भूमिका या इस नेटवर्क से सीधे संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने बुधवार सुबह 9 बजे तक इस रेलखंड पर परिचालन बंद रखने का निर्णय लिया। इसके चलते चार ट्रेनें रद्द कर दी गईं। रेलवे की तकनीकी टीमें क्षतिग्रस्त ट्रैक की जांच और मरम्मत में जुटी हैं। सुरक्षा परीक्षण पूरा होने के बाद ही यातायात बहाल किया जाएगा। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या पैसेंजर ट्रेन को निशाना बनाकर बड़े रेल हादसे की साजिश रची गई थी।

अवैध शराब के खिलाफ हाईलेवल मीटिंग सीएम ने कहा- नेटवर्क ध्वस्त करो

भोपाल, यशभारत। देवास में अवैध शराब पकड़ने के दौरान पुलिस अधिकारी की मौत के मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पांच जिलों में फैले अवैध शराब कारोबार के नेटवर्क को ध्वस्त करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में ड्रग्स माफिया, अवैध शराब कारोबार और संगठित अपराधों के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान की रणनीति भी तय की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2029 तक ड्रग्स माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई के संकल्प के अनुरूप मध्य प्रदेश में प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इसके लिए पुलिस को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने और मजबूत मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रदेश ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में सफलता हासिल कर निर्धारित समय-सीमा में नक्सलवाद से मुक्ति पाई, उसी तरह ड्रग्स और संगठित अपराधों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब के परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए पूरे प्रदेश में एक साथ अभियान चलाया जाएगा।



टीआई दिलीप पुरी हत्याकांड: दो आरोपियों का हाफ एनकाउंटर पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश में पैर में लगी गोली

देवास, यशभारत। देवास में टीआई दिलीप पुरी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों का अलग-अलग स्थानों पर शॉर्ट एनकाउंटर किया है। दोनों आरोपियों के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश की और इस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर हथियार छीन लिए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। घायल आरोपियों को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड का मुख्य आरोपी गजेंद्र उर्फ अक्कू राठौर को अलीराजपुर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस टीम उसे लेकर खातेगांव आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन का टायर पंचर हो गया। पुलिसकर्मी जब टायर बदलने में जुटे थे, तभी आरोपी ने पुलिसकर्मी की बंदूक छीनकर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गजेंद्र के दाहिने पैर के निचले हिस्से में गोली लगी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद वैस्कुलर इंटरवेंशन के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। इसी मामले में दूसरे आरोपी धीरज का भी पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया। पुलिस के अनुसार, धीरज पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश कर रहा था। उसने पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई, जो उसके दाहिने पैर में लगी। घायल धीरज को देवास जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत को देखते हुए इंदौर रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। देवास सीएसपी सुमित अग्रवाल के मुताबिक, मुख्य आरोपी गजेंद्र ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की थी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में उसे गोली मारी। दूसरे आरोपी के खिलाफ भी पुलिस अभिरक्षा से भागने और पुलिसकर्मी पर हमला करने की स्थिति में कार्रवाई की गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।



दो से ज्यादा बच्चे करने पर कानूनी पाबंदी सही नहीं

सुप्रीम कोर्ट बोला- प्रजनन दर 3 से घटकर 1.9 हुई,बुजुर्ग बढ़ेंगे, कामकाजी आबादी घटेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट के मुताबिक, भारत की प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। कोर्ट ने कहा कि आने वाले समय में बुजुर्गों की आबादी बढ़ेगी और कामकाजी लोगों का अनुपात घटेगा। अगर इन बदलावों पर ध्यान नहीं दिया गया तो देश को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने इस मामले में 2003 के अपने फैसले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें कोर्ट ने हरियाणा के दो बच्चों वाले नियम को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता भी रद्द कर दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण पद से अयोग्य ठहराया गया था।



कोर्ट बोला- बढ़ती आबादी का डर अब कानूनों का आधार नहीं - जस्टिस नरसिम्हा ने फैसला सुनाते हुए कहा- हमारी स्पष्ट राय है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सजा देने वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं। इन कानूनों का आधार बढ़ती आबादी का डर था। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या से जुड़े बदलावों के कारण यह आधार खत्म हो गया है।कोर्ट ने बताया कि 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इस दर पर एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को ले सकती है। कोर्ट ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों की अब समीक्षा जरूरी है।

दो बच्चों की शर्त से राजनीतिक अधिकारों से वंचित करना गलत- कोर्ट ने 2003 के फैसले में दो बच्चों की शर्त को सही ठहराने के लिए इस्तेमाल किए गए तर्कों पर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कानूनों के जारी रहने से नागरिकों का एक पूरा वर्ग राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर हो जाता है।कोर्ट के मुताबिक, किसी व्यक्ति के बच्चों की संख्या का उसके सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है।

भारत न्यूजीलैंड पहला वनडे बारिश ने रोका भारत का स्कोर 54/1

ऑकलैंड,एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में बारिश ने खेल का रोमांच रोक दिया। न्यूजीलैंड के 185 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने बारिश के कारण खेल रोके जाने तक 10.5 ओवर में एक विकेट पर 54 रन बना लिए थे। भारत को जीत के लिए अभी 132 रन की जरूरत थी। क्रीज पर शुभमन गिल और विराट कोहली मौजूद थे। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी हो चुकी थी। भारतीय पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने मिचेल सैंटनर के हाथों कैच कराया। रोहित के जल्दी आउट होने के बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी को संभाला। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए टीम को शुरुआती झटके से उबारा और स्कोर को आगे बढ़ाया।इससे पहले ऑकलैंड में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। पूरी टीम 40.2 ओवर में 185 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

आठवें वेतन आयोग का एक वर्ष
उम्मीदों के सिर्फ 6 माह शेष

न्यूनतम वेतन 72 हजार रुपए और अंतरिम राहत की मांग गूंजी

जबलपुर, यश भारत। केंद्र सरकार द्वारा गठित 8वें वेतन आयोग का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया। अब उसके कार्यकाल के 6 माह ही शेष बचे हैं। अब तक उसके द्वारा लगभग सभी श्रमिक संगठनों एवं एसोसिएशन्स के प्रमुखों के साथ चर्चा हो चुकी है। दूसरे दौर में प्रमुख केंद्रीय संस्थानों, रेलवे व सुरक्षा-संस्थानों के प्रतिनिधियों से चर्चा जारी है। इन संगठनों ने जहां न्यूनतम वेतन 69 से 72 हजार रु. करने की मांग रखी है। वहीं अन्य सुविधाओं के लिये भी अलग-अलग सुझाव आये हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 3 नवंबर 25 को आधिकारिक गजट अधिसूचना जारी कर 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी थी। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में 3-सदस्यीय आयोग का गठन किया गया ।अन्य प्रमुख सदस्यों में प्रो. पुलक घोष और आईएएस पंकज जैन शामिल हैं।आयोग को अपनी सिफारिशें और अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लिए गठन की तारीख से 18 महीने (मई-जून 2027 तक) का समय दिया गया है।



सुरक्षा संस्थानों को पुनः बुलावा

डिफेंस ऑल इंडिया एम्प्लॉइज फेडरेशन (द्ब्रष्ठश्वस्र) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.एन. पाठक ने बताया कि उनके संगठन ने न्यूनतम वेतनमान 69 हजार रु. करने की मांग रखी है। साथ ही रेलवे के समान सुविधाएं देने व प्रतिवर्ष इंक्रीमेंट को 3त्न से बढ़ाने की मांग रखी है। भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मारुति पवार ने बताया कि आयोग से न्यूनतम 72 हजार बेसिक की मांग रखी गई है। वहीं 18 नवम्बर को पुनः आयोग ने आमंत्रित किया है, जिसमें कई अन्य मुद्दों पर चर्चा होनी है। राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरुण दुबे ने कहा कि जब तक वेतन आयोग लागू नहीं हो रहा है, तब तक अंतरिम राहत देने का प्रावधान है, जिसे सरकार द्वारा दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मामले में भी स्थिति स्पष्ट की जाये, वे बेहद संशय की स्थिति में हैं।

आगे क्या होगा?

आयोग की रिपोर्ट आने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए नई दरें लागू होने तक निम्नलिखित 5 चरण पूरे होंगे। अंतिम रिपोर्ट (मई - जून 2027) में जमा करना है। इसके बाद अगले चरण में केंद्रीय कैबिनेट/समीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की जायेगी। तदोपरांत कैबिनेट द्वारा सिफारिशों पर स्वीकृति व संशोधन किये जायेंगे। अंतिम चरण में वित्त मंत्रालय द्वारा आधिकारिक राजपत्रित अधिसूचना जारी की जायेगी। फिर विभागों द्वारा नई सैलरी/पेंशन गणना एवं एरियर का भुगतान किया जाएगा। भले ही अंतिम रिपोर्ट और सरकारी मंजूरी 2027 तक पूरी हो, लेकिन नया वेतन ढांचा 1 जनवरी 26 की प्रभावी तिथि से लागू माना जाएगा।

एपीएन में विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ
विद्यार्थियों ने दिखाए नवाचार

जबलपुर, यश भारत।



एपीएन हायर सेकेंडरी स्कूल, सदर में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। शुभारंभ संस्था के प्रबंधक धवल श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, अंतरिक्ष विज्ञान, आधुनिक तकनीक और स्मार्ट सिटी जैसे विषयों पर आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने मॉडल के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल तरीके से समझाया। अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। प्राचार्य एवं उपप्राचार्य ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियों से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, तार्किक क्षमता और नवाचार की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, प्राचार्य अजय वर्मा, करण खुराना, मनु श्रीवास्तव और अमरचंद बावरिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

अशोक हॉल स्कूल में वार्षिक कंसर्ट आज

जबलपुर। अशोका हॉल स्कूल विजयनगर में वार्षिक कंसर्ट 'चाणक्य' आज 4 नवम्बर को अपराह्न 5:30 बजे से स्कूल परिसर में आयोजित है, जिसमें स्कूल प्रबंधन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग के बोर्ड में डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला चयनित



जबलपुर, यश भारत। मध्य प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला का चयन राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग (एनडीसी) के एथिक्स एंड डेंटल रजिस्ट्रेशन बोर्ड में अंशकालिक सदस्य के रूप में हुआ है। भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोग और इसके तीन स्वायत्त बोर्डों के अंशकालिक सदस्यों का चयन ड्रॉ ऑफ लॉट्स (लॉटरी प्रक्रिया) के माध्यम से किया गया। इस चयन प्रक्रिया के तहत डॉ. शुक्ला को आगामी दो वर्षों के लिए बोर्ड का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को मध्य प्रदेश के दंत चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोग के बोर्ड में प्रदेश का प्रतिनिधित्व मिलने से दंत चिकित्सा शिक्षा, पेशेवर नैतिकता और दंत चिकित्सकों के पंजीकरण से जुड़े विषयों में प्रदेश की भागीदारी को मजबूती मिलेगी। डॉ. शुक्ला के चयन से चिकित्सा जगत में हर्ष का माहौल है।

म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड

नाइट ड्यूटी अलाउंस के एरियर और रिकवरी के निर्देश जारी

जबलपुर, यशभारत। रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक उपक्रम म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड के मानव संसाधन विभाग द्वारा नाइट ड्यूटी अलाउंस के भुगतान और रिकवरी को लेकर एक महत्वपूर्ण आधिकारिक पत्र जारी किया गया है। जिसके तहत सभी इकाइयों के मुख्य महाप्रबंधकों और इकाई प्रमुखों को दिशा-निर्देश भेजे गए हैं। यह आदेश पत्र DoD कोलकाता' और DDP/MoD के पूर्व में जारी पत्रों के संदर्भ में जारी किया गया है। पे लेवल-7 तक के सभी पात्र गैर-राजपत्रित रक्षा सिविलियन कर्मचारियों को नाइट ड्यूटी अलाउंस दिया जा सकता है। हालांकि, प्रति घंटा दर निकालने के लिए अधिकतम मूल वेतन 43,600 रुपये तक ही सीमित रहेगा। रेलवे कर्मचारियों के साथ समानता बनाए रखने के लिए एनडीए के भुगतान की प्रभावशीलता 4 जुलाई 22 से लागू होगी। पत्र में इस बात का भी संज्ञान लिया गया है कि कई इकाइयों द्वारा नियमों का पालन ठीक से नहीं किया गया, जिसके कारण नाइट ड्यूटी अलाउंस का गलत भुगतान हुआ है।

कांग्रेस ने सरकार से अवैध शराब तस्करी पर मांगा जवाब

जबलपुर। देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी टीआई दिलीप पुरी की शहादत पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सिविक सेंटर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने टीआई के बलिदान को नमन करते हुए भाजपा सरकार पर अवैध शराब के कारोबार को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाया। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा सहित रितेश बंटी गुप्ता, अनुराग गढ़वाल, प्रशांत मिश्रा, सुमित्रा मिश्रा, राजेश पटेल, अभिषेक चंदेल, रिंकू यादव, प्रमोद पटेल, अभिषेक पाठक, मिंटू मिश्रा, अमरचंद बावरिया, हुकुमचंद जैन, अरुण पवार, रंबल विश्वकर्मा, केशव कोरी, जयंत मिश्रा, अभ्युत बाजपेई, सोनू गुप्ता, दुर्गेश पटेल, चमन पासी, पूनम चंद सोनकर, अशोक यादव, सुरेंद्र तिवारी, दुर्गेश पाठक, पुष्कल शर्मा, राजेश दीवान, संदीप जैन, रिजवान अली, पुष्पराज पटेल, दिलीप चमकेला, संजू ठाकुर, मोहम्मद एजाज, राजकुमार सोनी, महेश मिश्रा, विष्णु विनोदिया, अक्षय विनोदिया, सुशांत राजपूत एवं जबलपुर पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण मौजूद रहे।



अलकनंदा अवस्थी की कृति का विमोचन समारोह आज

जबलपुर,यश भारत। पाथेय संस्था के तत्वावधान में साहित्यकार अलकनंदा अवस्थी की कृति का विमोचन समारोह 4 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे होटल अमोदा, मदनमहल थाना के समीप आयोजित होगा। कार्यक्रम प्रज्ञापीठाधीश्वर साध्वी विभानंद गिरी के सानिध्य में होगा। मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू होंगे, जबकि अध्यक्षता डॉ. हरिशंकर दुबे करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व महापौर डॉ. स्वाति गोडबोले, अमरेन्द्र नारायण और डॉ. कृष्ण कुमार दुबे उपस्थित रहेंगे। स्वागताध्यक्ष राज अवस्थी होंगे।

आधारताल में छठ पूजा की बेदी के टोकन के लिए उमड़े श्रद्धालु

जबलपुर,यश भारत। आधारताल तालाब में छठ पूजा की बेदी आवंटन के लिए मंगलवार को नगर निगम के आधारताल जोन कार्यालय में निशुल्क टोकन वितरित किए गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर टोकन लिए और नई व्यवस्था का स्वागत किया।महापौर जगत बहादुर सिंह के निर्देश पर उत्तर प्रदेश-बिहार महासंघ की मांग के अनुसार घाट की सफाई कर बेदी स्थलों की मार्किंग और क्रमांक तय किए गए हैं। सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने बताया कि इस व्यवस्था में महासंघ, पुलिस, समाजसेवियों और श्रद्धालुओं का सहयोग मिला है।

बसपा के जिला स्तरीय जन-समागम में अधिकारों की रक्षा का आह्वान



जबलपुर,यशभारत। बहुजन समाज पार्टी जबलपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय विशाल जनसमागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बसपा मध्यप्रदेश के केंद्रीय प्रदेश प्रभारी दिनेश गौतम तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जियालाल अहिरवार उपस्थित रहे। इसके अलावा मुख्य जोन प्रभारी कमलेश बौद्ध, शरण चौधरी, लोकसभा प्रभारी रत्नेश सिंह, ओमसमद सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिलाध्यक्ष लखन अहिरवार ने किया।मुख्य अतिथि दिनेश गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि बहुजन समाज के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए बसपा को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करें तथा विधानसभा और संसद में अपने प्रतिनिधियों को पहुंचाएं।उन्होंने समाज पर होने वाले अन्याय-अत्याचार और महापुरुषों के अपमान पर चिंता जताते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन घटनाओं पर रोक लगाकर उचित कार्रवाई नहीं की, तो बसपा बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

'सृजन साक्षी' एवं 'परशुराम चालीसा' का विमोचन

जबलपुर । मिलन संस्था के तत्वावधान में एडवोकेट अनिल दुबे के संयोजन में घंटाघर कॉफी हाउस में हास्य कलाकार के.के. नायरकर के मुख्य आतिथ्य एवं चंदादेवी स्वर्णकार की अध्यक्षता में तथा बलराम वर्मा, डॉ. गीता गीत की उपस्थिति में नर्मदापुरम के वरिष्ठ साहित्यकार गिरी मोहन गुरु की पुस्तक 'सृजन साक्षी' एवं 'परशुराम चालीसा' का विमोचन हुआ। इस अवसर पर श्री गिरी मोहन गुरु ने मिलन के सूत्रधार स्व. मोहन शशि का स्मरण करते हुए कहा कि जबलपुर प्रतिभाओं और साहित्यकारों तथा साहित्य प्रेमियों का मिलन है। सभी उपस्थितजनों का अनिल दुबे द्वारा शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला, पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों को सनी शर्मा द्वारा 'गीत पराग' का नवीनतम अंक वितरित किया गया। इस आयोजन में जगदीश पटेल, डॉ. ग्रीश गौतम, मौसमी चौधरी, रीता दास, आदि उपस्थित रहे।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद स्पर्धा

एक देश एक चुनाव विषय पर रखे विचार



जबलपुर यश भारत। गत दिवस युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन में मेरा भारत, जबलपुर के तत्वावधान में विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय यूथ हॉस्टल में किया गया।कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी हर्षल तलस्कर के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम में जबलपुर जिले के युवाओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि व निर्णायक की भूमिका में डॉ. देवांशु गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना (ओपन यूनिट), के साथ ही निर्णायक मंडल में डॉ. शैलेष प्रसाद (पत्रकारिता), डॉ. आशा रानी (हिन्दी विभाग), डॉ. प्रज्ञा दुबे (वाणिज्य) एवं अरविंद कुमार लोधी (राज्य स्तर पुरस्कार) उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में युवाओं ने ÷एक देश- एक चुनाव÷ विषय पर अपने विचार रखे। श्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। जो राज्य स्तर पर जबलपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्य अतिथि डॉ. देवांशु गौतम के साथ डॉ.प्रज्ञादुबेऔर डॉ. आशारानी ने कहा कि विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाने का सशक्त मंच है। उन्होंने भाषण कला, नेतृत्व क्षमता और वैचारिक स्पष्टता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम भौमिक नामदेव, द्वितीय राहुल लोधी एवं तृतीय स्थान पर नयन जैन रहे।

पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के अध्यक्ष बने नरेश ग्रोवर, डॉ. राजीव ओबेराय सचिव



जबलपुर, यश भारत। पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन जबलपुर की वार्षिक आमसभा की बैठक गत दिवस नेपियर टाउन स्थित संस्था भवन में आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से नरेश ग्रोवर को संस्था का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व वित्त मंत्री तरुण भानोत ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित सदस्यों ने समर्थन किया। संस्था के जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी उमेश शर्मा ने बताया कि नई कार्यकारिणी में प्रमोद मरवाहा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पंकज सेठी को उपाध्यक्ष, डॉ. राजीव ओबेराय को सचिव, भारत कुमार कपूर एवं दीपक वर्मा को सहसचिव तथा सुशील आनंद को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं उमेश शर्मा को जनसंपर्क अधिकारी और सुधीर मेहता को आंतरिक लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा तरुण भानोत, इंदर कुमार विरमानी, रघुवर कपूर, धनवंतराय सेठी, डॉ. सुनील बहल, गुलशन माखीजा सहित 16 सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया।नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेश ग्रोवर एवं सचिव डॉ. राजीव ओबेराय लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। सदस्यों ने विश्वास जताया कि नई टीम महिला समिति और यूथ क्लब के सहयोग से समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाएगी।

बच्चों को धन नहीं, धर्म की वसीयत दें : मुनि निष्कम्प सागर



जबलपुर,यशभारत। मुनि श्री निष्कम्प सागर जी महाराज ने आमनपुर स्थित श्री महावीर विद्यालय में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि माता-पिता को बच्चों के लिए धन-संपत्ति नहीं, बल्कि धर्म की वसीयत छोड़नी चाहिए। धन संसार का कारण है, जबकि धर्म जीवन की सच्ची संपत्ति है। उन्होंने कहा कि मनुष्य पर्याय और उसमें भी जैन धर्म मिलना अत्यंत दुर्लभ सौभाग्य है। बच्चों को ऐसे संस्कार दें कि वे आंखें खोलते ही जिनेंद्र भगवान के दर्शन करें और साधु-संतों का सानिध्य प्राप्त करें। यही माता-पिता की सबसे बड़ी विरासत है। मुनि श्री गढ़ा जैन मंदिर से विहार कर आमनपुर पहुंचे थे। यहां भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, आचार्य श्री विद्यासागर जी एवं आचार्य श्री समयसागर जी की पूजन-अर्चना की गई। इस अवसर पर पीसी जैन, संकल्प जैन, मोनू पटेल, सुनील चड्ढा, मोनू इंप्रेस सहित जैन समाज के गणमान्य श्रावक उपस्थित रहे। मुनि संघ का चातुर्मास शिवनगर में हुआ था। धर्म प्रभावना के लिए विभिन्न कॉलोनियों में प्रभु वंदना के बाद आज प्रातः मुनि संघ का शिवनगर में प्रवेश होगा। आहारचर्या का सौभाग्य जित्तू जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

दूध के दाम 74 से बढ़कर 80 रुपए लीटर मिलावट और घटतौली पर भी उठे सवाल

जबलपुर,यश भारत। शहर में दूध के दाम 74 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपए लीटर किए जाने पर महाकौशल विकास मंच ने नाराजगी जताई है। मंच का आरोप है कि डेयरी संचालक मनमाने तरीके से कीमतें बढ़ाकर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रहे हैं, वहीं दूध की शुद्धता और सही मात्रा को लेकर भी गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। मंच ने आरोप लगाया कि कुछ दूध विक्रेता दूध में पानी के अलावा यूरिया, शक्कर, आरारोट और मिल्क पाउडर जैसे पदार्थ मिलाकर बेच रहे हैं। वहीं पशुओं से अधिक दूध निकालने के लिए प्रतिबंधित इंजेक्शन के इस्तेमाल की शिकायतें भी

महाकौशल विकास मंच ने की कार्रवाई की मांग

सामने आ रही हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। मंच ने घटतौली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कई स्थानों पर एक लीटर, आधा लीटर और अन्य माप के बर्तनों से निर्धारित मात्रा से कम दूध दिया जा रहा है, जबकि ग्राहकों से पूरी कीमत वसूली जाती है। इसके अलावा प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियों में भी खुलेआम दूध की बिक्री होने का आरोप लगाया गया है।महाकौशल विकास मंच ने नापतौल विभाग से दूध विक्रेताओं के माप वाले बर्तनों की जांच कराने, स्वास्थ्य विभाग से दूध की शुद्धता की जांच के लिए नियमित सैंपलिंग करने और नगर निगम से प्रतिबंधित पॉलिथीन के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। मांग उठाने वालों में नकुल गुप्ता, अटल उपाध्याय, प्रशांत सोंधिया, विवेक रंजन शुक्ला, नरेश शुक्ला, विवेक शुक्ला, सूर्यकांत गुप्ता, अर्जुन सोमवंशी, हरिओम चौकसे, राजू पटेल और अरुण पटेल शामिल हैं।

स्थापना दिवस पर 8500 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, आदित्य और रिया अव्वल

जबलपुर,यश भारत। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर मित्र संघ परिवार और नगर निगम के सहयोग से एमएलबी ग्राउंड में विशाल निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें 8500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विषय जबलपुर का विकास, स्वच्छता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष का कार्यकाल रहे। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए पुरस्कृत निबंधों को प्रकाशित कराने का सुझाव दिया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आयोजन को ऐतिहासिक बताया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ग्रुप ए में आदित्य मिश्रा प्रथम, भावना पटेल द्वितीय और जयवर्धन खुरासिया तृतीय रहे। ग्रुप बी में रिया सिंह प्रथम, अंजलि जैन द्वितीय और चंचल जैन तृतीय स्थान पर रहीं। दोनों वर्गों के प्रथम विजेताओं को 26-26 हजार रुपए दिए गए। प्रश्नोत्तर सत्र में राबिया फातिमा और तनिष्क राय ने साइकिल जीती। सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।



अंगदान से कई जिंदगियों को रोशनी दे गए नरेंद्र रजक, स्मृति में बनाई 'नरेंद्र वाटिका'

जबलपुर,यशभारत।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय नरेंद्र रजक भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके अंगदान से कई जरूरतमंदों को नया जीवन मिलने की उम्मीद ने मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों द्वारा अंगदान का निर्णय लेकर समाज के सामने सेवा और संवेदनशीलता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। उनके इस महान योगदान को सदैव स्मरणीय बनाए रखने के लिए मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल परिसर में एक पौधा रोपित कर उसे 'नरेंद्र वाटिका' नाम दिया गया।



मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल प्रबंधन की इस पहल का उद्देश्य नरेंद्र रजक के महान अंगदान और मानवता के प्रति उनके समर्पण को हमेशा जीवंत बनाए रखना है। अस्पताल परिसर में विकसित की गई 'नरेंद्र वाटिका' न केवल उनकी स्मृतियों को संजोकर रखेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी अंगदान और परोपकार के लिए प्रेरित करेगी। यह पौधा उनके जीवन के उस महान संदेश का प्रतीक बनेगा, जिसमें दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए अपना योगदान देना सर्वोच्च सेवा माना गया है। अंगदान मानवता और संवेदनशीलता का प्रतीक : राजीव बडेरिया इस अवसर पर मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजीव बडेरिया ने कहा कि अंगदान को महादान माना गया है, क्योंकि इसके माध्यम से एक व्यक्ति मृत्यु के बाद भी कई लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। अंगदान केवल जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्री नरेंद्र रजक के परिजनों ने दुख की इस घड़ी में अंगदान का निर्णय लेकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जब बंद एयरपोर्ट को दोबारा चालू करके प्लेन की हुई लैंडिंग

अहमदाबाद के मरीज़ को नया जीवन देने रातभर ग्राउंड पर रहा जबलपुर एयरपोर्ट स्टाफ

जबलपुर।

मानवता की सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की कोई समय सीमा नहीं होती, इसे जबलपुर एयरपोर्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सोमवार की रात सच साबित कर दिखाया। 'यश भारत' में कल चिकित्सा जगत के योगदान पर विस्तृत खबर प्रकाशित होने के बाद, आज का पूरा फोकस जबलपुर एयरपोर्ट की उस जांबाज टीम पर है, जिसने बंद एयरपोर्ट को आधी रात के बाद दोबारा ऑपरेशनल कर तीन गंभीर मरीजों को नया जीवनदान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

सोमवार की रात शहर में बने ग्रीन कॉरिडोर के जरिए एक मानव अंग को अहमदाबाद पहुँचाया जाना था। नियम और शेड्यूल के मुताबिक, जबलपुर एयरपोर्ट का सामान्य संचालन रात 8:15 बजे इंडिगो की अंतिम फ्लाइट के प्रस्थान के बाद थम जाता है और रात 9:30 बजे तक एयरपोर्ट पूरी



तरह बंद होकर कर्मचारी अपने घर लौट जाते हैं।

लेकिन, जब रात करीब 10:00 बजे घर लौट रहे कर्मचारियों को अहमदाबाद से चार्टर्ड प्लेन आने और आपातकालीन ग्रीन कॉरिडोर की सूचना मिली, तो बिना एक पल गंवाए प्रशासनिक तत्परता दिखाई गई।

रातभर ऐसे चला आपातकालीन

तकनीकी टीमों का असाधारण समन्वय

एक विमान को रात के वक्त सुरक्षित उतारने और उड़ाने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) से लेकर कई तकनीकी और सुरक्षा प्रणालियों की जरूरत होती है। इस आपात स्थिति में विमानपत्तन निदेशक श्री राजेश कुमार मौर्य और एटीसी प्रभारी श्री नीरज गुडवानी के नेतृत्व में एटीसी टीम, फायर फाइटिंग सिस्टम, रनवे लाइटिंग, ग्राउंड सेफ्टी और सुरक्षा अमले के सभी कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से डटे रहे। आधी रात के बाद संसाधनों और कर्मियों को जुटाकर एयरपोर्ट को सुचारू रूप से चलाना और तीन लोगों की जिंदगी बचाने में लॉजिस्टिक सपोर्ट देना जबलपुर एयरपोर्ट की उच्च पेशेवर क्षमता और मानवीय संवेदना का सबसे बड़ा उदाहरण है। जबलपुर के इस गौरवशाली क्षण में एयरपोर्ट परिवार का यह समर्पण हर नागरिक के लिए वंदनीय है।

एयरपोर्ट ऑपरेशन

रात 10:00 बजे: घर जाने की तैयारी कर रहे एयरपोर्ट कर्मियों को आपातकालीन चार्टर और ग्रीन कॉरिडोर की मिली सूचना।

रात 10:30 बजे: विमानपत्तन निदेशक श्री राजेश कुमार मौर्य और एटीसी प्रभारी श्री नीरज गुडवानी के निर्देश पर बंद एयरपोर्ट को दोबारा एक्टिवेट किया गया।

रात 12:30 बजे: अहमदाबाद से विशेष चार्टर्ड प्लेन ने जबलपुर रनवे पर सुरक्षित लैंडिंग की।

भोर 04:30 बजे: आवश्यक प्रक्रिया के बाद प्लेन ने मानव अंगों को लेकर अहमदाबाद के लिए भरी सफल उड़ान।

सुबह 05:00 बजे: पूरी प्रक्रिया के सुरक्षित संपन्न होने तक एयरपोर्ट पर सेवाएं सक्रिय रहीं।

फायर सेफ्टी को लेकर प्रशासन सख्त

नियमों का उल्लंघन करने पर माढ़ोताल की 6 पटाखा दुकानें सील

जबलपुर, यशभारत। त्योहारी सीजन में सुरक्षा नियमों और शर्तों की सरेआम धज्जियां उड़ाने वाले पटाखा कारोबारियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। माढ़ौताल के कठौदा स्थित पटाखा बाजार में फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम न मिलने पर प्रशासनिक टीम ने आधी रात को ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 6 दुकानों को मौके पर ही सील कर दिया। प्रशासनिक दल को देखकर दुकानदारों में हड़कंप मच गया और विवाद की स्थिति भी बनी, लेकिन मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल ने तुरंत मोर्चा संभालकर स्थिति को नियंत्रण में



लिया। SDM मदन रघुवंशी और तहसीलदार रंजना यादव के नेतृत्व में SDOP अंजुल अयंक मिश्रा, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर विद्यानंद बाजपेयी सहित पूरा मैदानी अमला रात 1 बजे तक कार्रवाई में डटा रहा। अधिकारियों ने सख्त हिदायत दी है कि दुकानों के बाहर सामान रखने और सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन का यह जांच अभियान अब जिले के अन्य पटाखा बाजारों में भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

मप्र को लारा परियोजना से मिलेगी 800 मेगावाट किफायती बिजली

एनटीपीसी और एमपीपीएमसीएल के बीच हुआ पीपीए



जबलपुर। मध्यप्रदेश में भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और प्रदेशवासियों को सस्ती एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में ऊर्जा विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा मनीष सिंह और ऊर्जा सचिव व एमपी पावर मैननजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित एनटीपीसी की लारा चरण-III (2म800 मेगावाट) परियोजना से विद्युत क्रय के लिए एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीएमसीएल) और एनटीपीसी के मध्य विद्युत क्रय अनुबंध निष्पादित किया गया। इस अनुबंध के तहत मध्य प्रदेश को लारा परियोजना से 800 मेगावाट बिजली प्राप्त होगी। वर्ष 2031-32 तक इस संयंत्र से मध्य प्रदेश को उचित दरों पर विश्वसनीय बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। अनुबंध के अनुसार लारा-III परियोजना से मध्य प्रदेश को कुल 4.97 रुपये प्रति यूनिट की अनुमानित दर पर बिजली उपलब्ध होगी।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस अनुबंध पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। यह अनुबंध भविष्य में राज्य के कृषि, उद्योग और घरेलू क्षेत्रों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। कैप्टिव खदान से ईंधन सुरक्षा और कम लागत-लारा परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संयंत्र कोयला खदान के अत्यंत निकट स्थित है और इसमें एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदान से कोयला प्राप्त होता है। कोयले की सीधी और सुरक्षित उपलब्धता के कारण ढुलाई खर्च में बचत होगी, जिससे बिजली की आपूर्ति पूरी तरह विश्वसनीय और न्यूनतम लागत पर संभव हो सकेगी। इस अवसर पर एनटीपीसी दिल्ली से मुख्य महाप्रबंधक कॉमर्शियल ए.एस. पांडे, महाप्रबंधक संदेश जायसवाल, रायपुर से अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक कॉमर्शियल भूपेश कुमार और एमपीपीएमसीएल की ओर से मुख्य महाप्रबंधक कॉमर्शियल डॉ. आर.बी. सक्सेना उपस्थित थे।

सिहोरा और पाटन की मिठाई और मावा की दुकानों की जांच.

जबलपुर – त्यौहारों पर उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के कलेक?टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार चलाये जा रहे जाँच अभियान के तहत राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को सिहोरा और पाटन में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सिहोरा स्थित विजय स्वीट्स से मिल्क केक, शिवम स्वीट्स से सलोनी और बर्फी तथा बीकानेर स्वीट्स से मावा के नमूने लिए। इसी प्रकार पाटन स्थित बड़ू खोवा से खोवा के 2, बीकानेर स्वीट्स से मिठाई एवं मावा के 4, नेमा स्वीट्स से मिठाई के 2 तथा कृष्णा स्वीट्स से मिठाई के 2 सैंपल लिए गए। सभी सैंपल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला से परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पार्वती कोल को तत्काल चार लाख रूपये की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत

जबलपुर। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में पहुंची सिहोरा के वार्ड नंबर 01 निवासी आवेदिका पार्वती कोल को उनके पति स्व. कमलेश कोल की 29 जनवरी 2026 को मुहारी डेम में डूबने से हुई अकाल मृत्यु पर तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम ग्रामीण को निर्देश दिए कि उन्हें नियमानुसार अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की जाए। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीएम ग्रामीण ने राजस्व पुस्तक परिपत्र छह-चार के प्रावधानों के तहत मृतक के परिवार को चार लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कर दी है, जिससे पीड़ित परिवार को बड़ी राहत मिली है। कलेक्टर विश्वकर्मा ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि अनुग्रह राशि के स्वीकृति पत्र पीड़ित परिवार के घर जाकर प्रदाय करें।

एक्सीडेंट में घायल युवक का कटंगी बायपास स्थित अस्पताल में दो दिनों से चल रहा था इलाज

हेल्थ सिटी हॉस्पिटल पर आरोप मौत के बाद भी करते रहे इलाज

परिजनों का कहना है मौत के बाद भी अस्पताल ने लगा रखा था वेंटिलेटर

जबलपुर,यशभारत। शहर के निजी अस्पतालों में मरीजों के इलाज और उनकी जिंदगी से जुड़े सवाल एक बार फिर खड़े हो गए हैं। माढोताल थाना क्षेत्र स्थित कटंगी बाईपास के हेल्थ सिटी हॉस्पिटल में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का दावा है कि मरीज की मौत होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने उसे वेंटिलेटर पर रखकर इलाज जारी रखा और मृत्यु की जानकारी नहीं दी। मामले ने निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और मरीजों के परिजनों को दी जाने वाली जानकारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



दूसरे अस्पताल ले जाने पर पता चला कि पहले ही हो गई थी युवक की मौत

जानकारी के मुताबिक, औरिया निवासी भगवत रजक (38) दो नवंबर की शाम सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन उसे तत्काल कटंगी बाईपास स्थित हेल्थ सिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। परिजनों का आरोप है कि देर रात भगवत की मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद अस्पताल में उसे वेंटिलेटर पर रखकर इलाज जारी रखा गया। परिजनों के अनुसार, तीन नवंबर की दोपहर उन्होंने भगवत को दूसरे अस्पताल ले जाने की बात कहकर हेल्थ सिटी हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कराया और उसे एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद भगवत को मृत घोषित कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद परिजनों ने हेल्थ सिटी हॉस्पिटल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यदि मरीज की मौत पहले ही हो चुकी थी, तो अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी?

महज दो किलोमीटर की दूरी, फिर भी मौत की जानकारी दूसरे अस्पताल में

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि हेल्थ सिटी हॉस्पिटल से जिस निजी अस्पताल में भगवत को ले जाया गया, उसकी दूरी महज दो किलोमीटर बताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि इतने कम अंतराल में दूसरे अस्पताल पहुंचने पर मरीज को मृत घोषित किया गया, जबकि हेल्थ सिटी हॉस्पिटल में उसे वेंटिलेटर पर रखकर उपचार जारी होने की बात कही जा रही थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर मरीज की वास्तविक स्थिति क्या थी और परिजनों को उसकी जानकारी कब और किस रूप में दी गई?

अब उठ रहे हैं जवाबदेही के सवाल

भगवत रजक की मौत के बाद सामने आए आरोपों ने अस्पताल प्रबंधन की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर मरीज की स्थिति क्या थी? क्या परिजनों को समय पर उसकी वास्तविक स्थिति की जानकारी दी गई? क्या उपचार के दौरान मरीज की मृत्यु हुई थी या उसे दूसरे अस्पताल ले जाने के समय उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी? इन सवालों का जवाब चिकित्सकीय दस्तावेजों, उपचार के रिकॉर्ड और निष्पक्ष जांच से ही सामने आ सकेगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा मौत के समय का खुलासा

मामले में युवक की मौत के सही समय को लेकर स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही भगवत रजक की मौत के वास्तविक समय और उससे जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा अस्पताल में हुए उपचार, चिकित्सकीय दस्तावेजों और परिजनों के आरोपों की पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अस्पताल प्रबंधन की सफाई–दो बार सीपीआर देकर मरीज को किया रिकवर

वहीं, हेल्थ सिटी हॉस्पिटल प्रबंधन ने परिजनों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भगवत रजक की हालत बेहद गंभीर थी। उपचार के दौरान उसे दो बार सीपीआर दिया गया, जिसके बाद उसे रिकवर किया गया और इलाज जारी रखा गया। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मरीज की स्थिति और उपचार की जानकारी परिजनों को भी दी गई थी तथा उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। प्रबंधन के अनुसार, परिजन अपनी जवाबदारी पर मरीज को दूसरे अस्पताल लेकर गए थे, जहां उसकी मौत हुई।

सहजपुर मटर मंडी में सुगम यातायात के लिए वैकल्पिक मार्गों का निरीक्षण

जबलपुर। सहजपुर मटर मंडी में मटर की सुगम आवाजाही और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी कड़ी में मंगलवार को विधायक श्री नीरज सिंह, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने शहपुरा पहुंचकर विभिन्न वैकल्पिक मार्गों का बारिकी से निरीक्षण किया। शहपुरा, चरगवां, बेलखेड़ा और गोटेगांव क्षेत्रों से प्रतिदिन 300 से 400 कृषि ट्रैक्टर मटर लेकर सहजपुर मंडी पहुंचते हैं। भारी ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने टोल नाका से किसरौद होते हुए घुंसौर और पाटन रोड से शहपुरा बाईपास मार्ग का जायजा लिया। साथ ही कैथरा फाटक स्थित रेलवे अंडरब्रिज, भिटौनी रेलवे स्टेशन तक जाने वाले वैकल्पिक रास्तों और मंडी परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा कच्छपुरा कमला नेहरू वार्ड भूलन बस्ती तह.अधारताल जबलपुर पटवारी हल्का न.31 ख. न. 122 के 20,000 वर्ग फुट में से 1200 वर्ग फुट यानी 20'60 वर्ग फुट प्लॉट का सौदा श्री अशोक साहू पिता स्व. हर प्रसाद साहू निवासी चंदन कॉलोनी, गंगा नगर गढ़ा. जबलपुर, वालों से कर लिया है निकट भविष्य में रजिस्ट्री होना है, उक्त संपति के सम्बंध में किसी व्यक्ति, फर्म, बैंक शासकीय अद्ध शासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो मुझे 7 दिवस के अंदर आपत्ति दर्ज करें, 7 दिवस के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी !

सम्पत्ति क्रेता

सुरेश कुमार विश्वकर्मा
मो. 9425157713 उखरी चौक, एम आर 4 रोड, जबलपुर विनय दुबे एडवोकेट मो. 9340063095

अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

प्रकरण क्रमांक -0346/अ -6/26-27

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार मिश्रा पिता स्व केशव मिश्रा उम्र 50 वर्ष पता - ग्राम नुनसर पाटन जबलपुर के द्वारा ग्राम - लमती खसरा नंबर 8/40 रकबा 1200 वर्गफुट पर रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 21/11/2011 के आधार पर एवं पिता स्व केशव मिश्रा के निधन दिनांक 20/10/2017 को हो जाने पश्चात शासकीय अभिलेखों पर नाम दर्ज करने हेतु नामांतरण आवेदन पेश किया हे अतः उपरोक्त किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 05/11/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं समय अवधि पश्चात प्राप्त आप पत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा न्यायालय की मोहर वह मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक -29/10/2026
पेशी दिनांक -05/11/2026

अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, जबलपुर (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	Pro- 729 Date – 03/11/26 2026_UAD_ 545643_1	संभाग क्रं. 07 अंतर्गत दो वार्डों में विभिन्न स्थानों में सड़क/ नाली/ पुलिया/ चेम्बर/ नाली/ कवर्ड/ अन्य मरम्मत कार्य।	4 माह 8.45	2,000/- 8453/-	13-11-2026

नोटः– निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

अंतरक्षेत्रीय विद्युत रस्साकशी प्रतियोगिता में केन्द्रीय कार्यालय बना उपविजेता

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के तत्वावधान में आयोजित 48 वीं अंतरक्षेत्रीय विद्युत रस्साकशी (टग ऑफवार) प्रतियोगिता में केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर ने उपविजेता बनने का गौरव पाया। सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) ने केन्द्रीय कार्यालय को 2-0 से पराजित किया। केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर ने अपने प्रारंभिक मैच में भोपाल व ग्वालियर क्षेत्र को एकतरफा मुकाबले में पराजित किया। सेमीफाइनल में केन्द्रीय कार्यालय ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी को एवं श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह ने उज्जैन क्षेत्र को पराजित कर



फाइनल में प्रवेश किया। उज्जैन क्षेत्र ने मेजबान सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी को पराजित कर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में केन्द्रीय कार्यालय जबलपुर का प्रतिनिधित्व लालमन कुशवाहा, संजय सिंह, राकेश यादव, क्रिस्टोफर नरोन्हा, सूर्यभान वर्मा, अरुण सिंह, शुभमकांत बरमैया, संतोष द्विवेदी, अरुण तिवारी, दीपक कुमार पाठक, हरि सिंह व पुनीत अग्रवाल। रावेन्द्र कुमार वर्मा प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक थे। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम, सचिव खेल नितिन खत्री, सचिव खेल एमसी बलोधी व कार्यालय प्रभारी संजय आनंद ने उपविजेता टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी।



संपादकीय

बदलते मौसम की बढ़ती चुनौती

मौसम का बदलता मिजाज अब केवल मौसमी घटना नहीं, बल्कि जनजीवन, अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। एक चक्रवात की तबाही से उबरने के पहले दूसरे चक्रवात का दस्तक देना इस बात का संकेत है कि प्राकृतिक आपदाओं का स्वरूप लगातार जटिल होता जा रहा है। अर्नब के बाद मुरासु का प्रभाव और देश के बड़े हिस्से में बादल, बारिश, तेज हवाएं तथा तापमान में उतार-चढ़ाव इसी बदलती मौसमी परिस्थितियों की ओर इशारा करते हैं। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में तेज हवाओं और भारी बारिश से हुई तबाही, रेल और हवाई सेवाओं का बाधित होना तथा निचले क्षेत्रों में जलभराव की आशंका इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

इस स्थिति का सबसे चिंताजनक पहलू मौसम की अनिश्चितता है। कभी तेज धूप और गर्मी तो कभी अचानक बारिश और ठंड का अहसास सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। मौसम का यह उतार-चढ़ाव खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य तक कई क्षेत्रों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। किसानों के लिए बेमौसम बारिश किसी बड़ी आर्थिक चोट से कम नहीं है। खेतों में खड़ी फसल, कटाई के लिए तैयार उपज और खुले में रखा अनाज तेज बारिश तथा ओलावृष्टि से प्रभावित हो सकता है। खासकर उन किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जिन्होंने मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर फसल की कटाई और भंडारण की योजना बनाई है। ऐसे में कृषि विभाग को किसानों तक समय रहते मौसम संबंधी सूचनाएं पहुंचाने के साथ जरूरी सलाह भी उपलब्ध करानी चाहिए। दूसरी ओर तापमान में अचानक गिरावट का असर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों पर पड़ सकता है। बदलते मौसम में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। शहरों में जलभराव, पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। आंध्र प्रदेश में चक्रवात के कारण रेल और हवाई सेवाओं का प्रभावित होना बताता है कि प्राकृतिक आपदा का असर केवल प्रभावित तटीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करता है।

मध्य प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में भी मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी केवल अलर्ट जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। संवेदनशील इलाकों की पहचान, जल निकासी की व्यवस्था, बिजली और परिवहन सेवाओं की सुरक्षा तथा आपदा राहत दलों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। स्थानीय निकायों को नालों की सफाई और जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। रेलवे और विमानन सेवाओं को भी यात्रियों तक समय पर सूचना पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

बदलते मौसम के पीछे सक्रिय मौसमी प्रणालियों की भूमिका को समझना जरूरी है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों, समुद्री तापमान में वृद्धि और चरम मौसमी घटनाओं के बढ़ते जोखिम पर वैज्ञानिक अध्ययन और दीर्घकालीन नीति की आवश्यकता है। हर आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य करना पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो आपदा आने से पहले नुकसान कम करने में सक्षम हो। मौसम पूर्वानुमान की तकनीक, स्थानीय स्तर पर चेतावनी प्रणाली और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करना समय की मांग है। मौसम विभाग की चेतावनी तभी सार्थक होगी, जब वह समय रहते आम नागरिक तक पहुंचे और उसके आधार पर जरूरी तैयारी भी हो। नागरिकों को भी चेतावनी के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की जिम्मेदारी समझनी होगी। प्रकृति के बदलते संकेतों को नजरअंदाज करने की कीमत समाज को भारी नुकसान के रूप में चुकानी पड़ सकती है। अब जरूरत मौसम के मिजाज पर चिंता जताने की नहीं, बल्कि उससे निपटने की मजबूत, वैज्ञानिक और दूरदर्शी तैयारी करने की है।

कड़वे वचन



हर वक्त भाग्य कोदोष देना भी ठीक नहीं है। कभी कभी हम भी हद से ज्यादा मांग लेते हैं। आज का कर्म ही तो कल का भाग्य है। इसलिए अच्छे भाग्य के लिए अच्छे कर्म करो। कौन कहता है कि मनुष्य कीहथेली की रेखाओं में उसका भाग्य लिखा होता है क्योंकि भाग्य तो उनका भी होता है, जिनके हाथ ही नहीं होते। अपना भाग्य मनुष्य खुद अपने हाथों से लिखता है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-4 नवम्बर, 2026
दिन-बुधवार, अश्विन शुक्ल 10

मेष
आज का दिन संपत्ति के संबंधित मामलों के लिए अच्छा रहने वाला है वाणी पर नियंत्रण रखें

वृष
धन संबंधित डील को फाइनल करने के पहले उसकी बड़ी क्यों पर अवश्य ध्यान दें

मिथुन
आज का दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है काम के चलते थकान महसूस कर सकते हैं

कर्क
आज का दिन तरक्की के नए मार्ग खोल सकता है विद्यार्थी वर्ग को मेहनत करनी पड़ेगी

सिंह
अपने धन को सही दिशा में निवेश करने हेतु बड़ों की सलाह को ध्यान में रखकर आगे बढ़े

कन्या
मित्र से किसी मामले को लेकर विवाद हो सकता है अपनी वाणी और क्रोध में नियंत्रण रखें

तुला
संतान पक्ष की ओर से कुछ अच्छी खबर मिल सकती है विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी

वृश्चिक
दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहने वाला है अतः सेहत का ध्यान रखें

धनु
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है मन में उत्साह बना रहेगा

मकर
कम पर फोकस बनाए रखें तभी वह कार्य पूरा होगा बेवजह तनाव न ले

कुंभ
सेहत संबंधित मामलों में लापरवाही ना करें बाहर के खानपान से बचे

मीन
आय के स्रोत को बढ़ाने के लिए अत्यधिक मेहनत करनी पड़ सकती है सोच समझकर कार्य आगे बढ़ाएं

आखिर क्या हो रहा है बच्चों को? मासूम मन में क्यों पनप रहा है हिंसा और बदले का भाव



बच्चों की दुनिया खेल, जिज्ञासा, दोस्ती और सीखने की सहज दुनिया मानी जाती है। छोटी-छोटी बातों पर रूठना और फिर कुछ देर में साथ खेलना बचपन की पहचान थी। लेकिन हाल की घटनाएं इस तस्वीर को बेचैन करने लगी हैं। पंचकूला के सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र पर आरोप है कि उसने केजी में पढ़ने वाली बच्ची को खाली कक्षा में ले जाकर बुरी तरह पीटा। नोएडा के एक स्कूल में सात वर्षीय छात्र को उसके पंद्रह से अधिक सहपाठियों ने कथित तौर पर फर्श पर गिराकर पीटा। आंध्र प्रदेश में प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर दसवीं की छात्रा पर कक्षा में हमला किए जाने की घटना भी सामने आई। ये घटनाएं बच्चों की सुरक्षा, व्यवहार और सामाजिक वातावरण पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि हिंसक व्यवहार अब बहुत कम उम्र में दिखाई देने लगा है। आठ साल का बच्चा दूसरे बच्चे को चोट पहुंचाने की स्थिति तक कैसे पहुंचा? सात साल के छात्र के साथियों को समूह बनाकर उसे पीटने की प्रेरणा कहां से मिली? क्या बच्चों के मन में संवेदनाएं कम हो रही हैं या गुस्सा और बदले की भावना बढ़ रही है? इन सवालों का जवाब केवल यह कहकर नहीं दिया जा सकता कि आजकल के बच्चे बिगड़ गए हैं या कलयुग का प्रभाव है। इसके पीछे पारिवारिक वातावरण, सामाजिक बदलाव, मानसिक दबाव और बच्चों को मिलने वाले संस्कार जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

बचपन में भावनाओं को पहचानने और संभालने की क्षमता धीरे-धीरे विकसित होती है। कई बच्चे निराशा, ईर्ष्या, अपमान और असुरक्षा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। वे अपनी परेशानी को चिल्लाने, मारपीट करने या दूसरों को परेशान करने के रूप में दिखाते हैं। इसका अर्थ है कि बच्चों को केवल अनुशासन सिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें गुस्से पर नियंत्रण, सहनशीलता और विवाद को बातचीत से सुलझाने की शिक्षा भी देनी होगी। कभी-कभी आक्रामक व्यवहार तनाव, डर, उपेक्षा या किसी अप्रिय अनुभव का संकेत भी हो सकता है।

परिवार बच्चे की पहली पाठशाला है। घर में माता-पिता के बीच लगातार झगड़े, अपमानजनक भाषा, गृह क्लेश और तनावपूर्ण वातावरण का असर बच्चों की मनोदशा पर पड़ सकता है। बच्चा बड़ों की बातें ही नहीं, उनका व्यवहार भी देखकर सीखता है। यदि घर में मतभेद का समाधान बातचीत के बजाय चिल्लाकर किया जाता है तो बच्चा भी यही तरीका अपना सकता है। हालांकि बच्चों के व्यवहार के लिए परिवार को अकेले दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। आर्थिक दबाव, माता-पिता की व्यस्तता, स्कूल का वातावरण और साथियों का प्रभाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आज भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करने का समय कम होता जा रहा है। मोबाइल और इंटरनेट ने मनोरंजन के अनेक रास्ते खोले हैं, लेकिन उम्र के अनुरूप निगरानी नहीं होने पर बच्चे हिंसा, गाली-गलौज और बदले की भावना को सामान्य दिखाने वाली सामग्री से प्रभावित हो सकते हैं। कई बार मोबाइल बच्चों को व्यस्त रखने का साधन बन जाता है और माता-पिता यह जानने का प्रयास ही नहीं करते कि बच्चा क्या देख रहा है। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के साथ खेलकूद, किताबों, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी प्रेरित करना होगा।

बच्चों की मनोदशा समझने के लिए माता-पिता को उनसे प्रतिदिन बातचीत करनी चाहिए। केवल पढ़ाई, परीक्षा और अंकों के बारे में पूछना पर्याप्त नहीं है। यह भी जानना जरूरी है कि बच्चा किस बात से खुश है, किस बात से परेशान है और स्कूल में उसके मित्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है। बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, सबके सामने अपमानित करना और हर गलती पर कठोर दंड देना उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। प्यार का अर्थ हर मांग पूरी करना नहीं है। उचित अनुशासन, स्पष्ट नियम और जिम्मेदारी का एहसास भी अच्छी परवरिश का हिस्सा हैं।

स्कूलों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में बदलाव पहचानने वाले मार्गदर्शक भी हैं। कक्षा में पर्याप्त निगरानी, सुरक्षित वातावरण और बच्चों के बीच सहयोग की भावना विकसित करना जरूरी है। किसी बच्चे को लगातार चिढ़ाना, अलग-थलग करना या समूह में निशाना बनाना मामूली शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्कूल प्रबंधन को ऐसी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। आवश्यकता होने पर अभिभावकों के साथ बाल मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता की सहायता भी लेनी चाहिए।

बच्चे के स्वभाव में अचानक बदलाव, बार-बार गुस्सा, अत्यधिक चुप्पी, डर, दूसरों को परेशान करने की प्रवृत्ति या दोस्तों से दूरी दिखाई दे तो उसे केवल जिद समझकर टालना ठीक नहीं है। माता-पिता को धैर्यपूर्वक उसकी बात सुननी चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। जिस बच्चे के साथ हिंसा हुई है, उसे सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए। वहीं हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चे को भी सुधारने और सही दिशा दिखाने की जरूरत है। कम उम्र में किसी बच्चे को अपराधी का ठप्पा लगा देना समस्या का समाधान नहीं है।

समाज में बदलते पारिवारिक संबंध और पीढ़ियों के बीच बदलती अपेक्षाएं भी विचारणीय हैं। पहले परिवार के बुजुर्ग महत्वपूर्ण निर्णयों में बड़ी भूमिका निभाते थे, जबकि आज युवा अपनी पसंद और स्वतंत्रता को अधिक महत्व देते हैं। बदलाव अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी, धैर्य, सम्मान और दूसरों की भावनाओं को समझने का संस्कार भी जरूरी है। माता-पिता की बात मानना अंधानुकरण नहीं, बल्कि संवाद और परस्पर सम्मान का रिश्ता होना चाहिए।

आज युवाओं में बढ़ती निराशा और मानसिक दबाव की खबरें भी समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती हैं। किसी बच्चे या किशोर की परेशानी को कमजोरी या नाटक कहकर खारिज नहीं करना चाहिए। स्वयं को अथवा दूसरों को नुकसान पहुंचाने की बात को गंभीरता से लेकर परिवार, स्कूल और विशेषज्ञों की सहायता लेनी चाहिए।

बच्चे समाज का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की जिम्मेदारी भी हैं। उन्हें केवल अच्छे अंक और प्रतिस्पर्धा में आगे रहने की सीख देना पर्याप्त नहीं है। संवेदना, संयम, सहनशीलता, मित्रता और दूसरों के सम्मान का महत्व भी समझाना होगा। पंचकूला और नोएडा जैसी घटनाएं चेतावनी हैं कि घर, स्कूल और समाज को मिलकर बच्चों के मन की बात सुननी होगी। आखिर बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनका भविष्य सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की है। बचपन को भय, बदले और हिंसा से मुक्त रखना हम सबका सामूहिक दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

प्रधानमंत्री ने भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 का किया उद्घाटन

- स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत की निर्णायक उड़ान,निवेश, नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता के त्रिकोण से विकसित भारत का ऊर्जा संकल्प, वैश्विक सहयोग को नई दिशा देने की तैयारी

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि का आधार होती है। आधुनिक युग में किसी देश की विकास क्षमता का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद या औद्योगिक उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से भी किया जाता है कि वह अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को किस सीमा तक सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल बना सकता है। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव, जीवाश्म ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितताओं ने दुनिया को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर गंभीरता से सोचने के लिए विवश किया है। ऐसे समय में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा को अपनी विकास नीति और ऊर्जा सुरक्षा का प्रमुख आधार बनाया है। इसी दिशा में नई दिल्ली के भारत मंडपम में 2 से 5 नवंबर 2026 तक आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 महत्त्वपूर्ण वैश्विक पहल के रूप में सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 नवंबर को इस चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'निवेश करें, नवाचार करें, प्रेरित करें' इसकी केंद्रीय थीम है। यह आयोजन भारत की उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने के साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक विकास की नई संभावनाएँ खोलने का मंच बन रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आज के आधिकारिक वक्तव्य में भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की गति और सौर ऊर्जा की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, च्भारत का स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन गति पकड़ रहा है और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सौर ऊर्जा की भूमिका बढ़ रही है।ज्ज उन्होंने छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के विस्तार, ऊर्जा भंडारण और पारेषण में निवेश के महत्त्व को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री के अनुसार यह परिवर्तन बिजली के बिल कम करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में सहायक है। उन्होंने यह टिप्पणी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी और माइक ब्लूमबर्ग के उस आलेख को साझा करते हुए की, जिसमें भारत की सौर ऊर्जा यात्रा और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं का उल्लेख है। यह कथन भारत की ऊर्जा नीति के तीन महत्त्वपूर्ण पक्षों को सामने लाता है। पहला, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार; दूसरा, आम नागरिकों को उसका लाभ; और तीसरा, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश तथा रोजगार के अवसरों का निर्माण।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भागीदारी - - >भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन की व्यापकता इसकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी से स्पष्ट होती है। इसमें 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, 40 से अधिक मंत्रियों, नीति-निर्माताओं, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों और उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तियों की भागीदारी हो रही है। ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन भागीदार देशों के रूप में शामिल हैं। भारत के 13 राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल अपनी ऊर्जा क्षमता, निवेश संभावनाओं तथा विनिर्माण संबंधी उपलब्धियों को प्रस्तुत कर रहे हैं। एक्सपो में 400 से अधिक प्रदर्शक सौर एवं पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत स्वच्छ ऊर्जा को केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य के उद्योग और वैश्विक आर्थिक सहयोग के बड़े क्षेत्र के रूप में देख रहा है।

308 गीगावाट से 500 गीगावाट तक का लक्ष्य - ->भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा को समझने के लिए गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत क्षमता के आँकड़े महत्त्वपूर्ण हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार देश की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता 308 गीगावाट तक पहुँच चुकी है। भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2027 से 2030 के बीच लगभग 220 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की आवश्यकता का अनुमान है। जुलाई 2024 से जून 2026 के बीच भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 63.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश हुआ है। भारत नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता में विश्व में तीसरे तथा पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। ये आँकड़े भारत की प्रगति को रेखांकित करते हैं, परंतु भविष्य की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। बढ़ती बिजली माँग, उद्योगों की आवश्यकताओं और आधुनिक तकनीकी ढाँचे के विस्तार के अनुरूप उत्पादन तथा वितरण व्यवस्था को मजबूत करना होगा।

सौर ऊर्जा से घर-घर तक विकास का लाभ - ->प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने सौर ऊर्जा को आम परिवारों तक पहुँचाने की दिशा में नई संभावनाएँ पैदा की हैं। घरों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापित होने से उपभोक्ता अपनी बिजली की आवश्यकता का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे बिजली बिल में राहत के साथ अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन की संभावना भी बढ़ती है। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में रूफटॉप सौर ऊर्जा के विस्तार को विशेष महत्त्व दिया है। यह पहल ऊर्जा उत्पादन के पारंपरिक केंद्रीकृत मॉडल से आगे बढ़कर नागरिकों को ऊर्जा व्यवस्था का सहभागी बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण है। इसी प्रकार पीएम-कुसुम योजना किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई और कृषि उपयोग के लिए प्रोत्साहित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यदि किसान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए सौर संसाधनों का उपयोग बढ़ाते हैं, तो इससे कृषि लागत घटाने, सिंचाई व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। सौर ऊर्जा का वास्तविक सामाजिक प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब छोटे किसानों, मध्यम वर्गीय परिवारों और ग्रामीण क्षेत्रों तक इसका लाभ सहज रूप से पहुँचे।

ऊर्जा भंडारण और पारेषण की चुनौती

सौर और पवन ऊर्जा की उपलब्धता प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। सूर्यास्त के बाद सौर ऊर्जा उत्पादन बंद हो जाता है और हवा की गति में परिवर्तन से पवन ऊर्जा उत्पादन प्रभावित होता है। इसलिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। ऊर्जा को संग्रहित करने और आवश्यकता के समय उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है। बैटरी ऊर्जा भंडारण, पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाएँ और आधुनिक विद्युत पारेषण नेटवर्क इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएँगे। प्रधानमंत्री ने भी ऊर्जा भंडारण और पारेषण में निवेश को स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का महत्त्वपूर्ण आधार बताया है। भारत को ऐसे विद्युत ग्रिड विकसित करने होंगे, जो अलग-अलग राज्यों में उत्पादित सौर और पवन ऊर्जा को आवश्यकता वाले क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकें। इसके लिए तकनीकी उन्नयन, निवेश, भूमि उपलब्धता और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। ऊर्जा भंडारण की लागत कम करना भी एक बड़ी प्राथमिकता है।

हरित हाइड्रोजन से औद्योगिक परिवर्तन

भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन के साथ अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की नौवीं सभा और हरित हाइड्रोजन पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जा रहा है। इन तीनों आयोजनों का एक मंच पर आना भारत की व्यापक ऊर्जा दृष्टि को दर्शाता है। हरित हाइड्रोजन भविष्य में इस्पात, उर्वरक, रसायन, भारी परिवहन और अन्य ऊर्जा-गहन उद्योगों के लिए स्वच्छ ईंधन का विकल्प बन सकता है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत इस क्षेत्र में उत्पादन, तकनीकी विकास और निवेश की संभावनाएँ तलाश रहा है। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता, इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण, भंडारण और परिवहन की व्यवस्था विकसित करनी होगी। यदि भारत इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी उत्पादन लागत हासिल कर लेता है, तो घरेलू उद्योगों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

तकनीकी आत्मनिर्भरता और रोजगार का नया आधार

ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए घरेलू विनिर्माण क्षमता का विस्तार अनिवार्य है। सौर पैनल, बैटरी, इनवर्टर, पवन टरबाइन, इलेक्ट्रोलाइजर और ऊर्जा नियंत्रण प्रणालियों के निर्माण में भारत को अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ानी होगी। केवल आयातित उपकरणों के सहारे दीर्घकालीन ऊर्जा आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप और उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना होगा। सम्मेलन में आयोजित तकनीकी प्रदर्शनियों, उद्यमी संवादों और नवाचार संबंधी गतिविधियों से नए विचारों को औद्योगिक परियोजनाओं में बदलने का अवसर मिलेगा। स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में इंजीनियरों, तकनीशियनों, अनुसंधानकर्ताओं और कुशल श्रमिकों के लिए रोजगार की नई संभावनाएँ भी विकसित होंगी। इस दृष्टि से कौशल विकास और प्रशिक्षण को ऊर्जा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। वैश्विक दक्षिण के लिए सहयोग का अवसर - -> स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन केवल विकसित अर्थव्यवस्थाओं का विषय नहीं है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक विकासशील देश ऊर्जा की बढ़ती माँग और वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। भारत का अनुभव इन देशों के लिए उपयोगी हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से सौर ऊर्जा के विस्तार, वित्तीय सहयोग और संस्थागत क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत की भूमिका केवल तकनीक और उपकरण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विकासशील देशों को उनकी परिस्थितियों के अनुरूप समाधान विकसित करने में भी सहयोग देना चाहिए। इसके लिए वित्तीय संस्थानों, बहुपक्षीय संगठनों और निजी कंपनियों की साझेदारी जरूरी है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और निवेश का लाभ व्यापक मानव समुदाय तक पहुँचना चाहिए।

(लेखक- विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला')

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है. खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल

एमपी में अंतरराष्ट्रीय हॉकी का महाकुंभ

भोपाल बनेगा ग्लोबल विमेंस हॉकी का हब, 166 देशों में होगा सीधा प्रसारण

भोपाल, यशभारत

मध्य प्रदेश की खेल राजधानी भोपाल एक और ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि के मुहाने पर खड़ी है। राज्य में पहली बार महिला हॉकी का सबसे बड़ा महामुकाबला होने जा रहा है। खेल, युवा कल्याण और संस्कृति के संगम के रूप में उभर रहे भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगामी 19 से 28 नवंबर 2026 तक एशियन वुमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का भव्य आयोजन होगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के जरिए भोपाल और मध्य प्रदेश वैश्विक मानचित्र पर महिला हॉकी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस महामुकाबले में मेजबान भारत के साथ-साथ एशिया की पांच दिग्गज हॉकी टीमें खिताब के लिए अपनी ताकत झोकेंगी। टूर्नामेंट में जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड की महिला टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें लगभग 150 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगी। खिलाड़ियों के बीच होने वाली यह कड़ी टक्कर दर्शकों को रोमांच से भर देगी।



166 देशों में लाइव ब्रॉडकास्ट, दुनिया देखेगी मप्र की ताकत

यह आयोजन सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश की ग्लोबल ब्रांडिंग का भी बड़ा मंच है। टूर्नामेंट के सभी रोमांचक मुकाबलों का सीधा प्रसारण दुनिया के 166 देशों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। नाथू बरखेड़ा के नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड पर पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में फ्लड लाइट्स की रोशनी के बीच डे-नाइट मुकाबले खेले जाएंगे, जो खेल प्रेमियों के लिए एक विहंगम अनुभव होगा।

टीटी नगर स्टेडियम में पूरा हुआ एमओयू, विशेष जर्सी भेंट-टूर्नामेंट की तैयारियों को अमलीजामा पहनाने के लिए हाल ही में खेल मंत्री विश्वास सारंग की विशेष मौजूदगी में टीटी नगर स्टेडियम में महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान एशियन हॉकी फेडरेशन, हॉकी इंडिया और मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बीच आधिकारिक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर मुहर लगी। इस अवसर पर भारतीय हॉकी फेडरेशन के सचिव भोलानाथ सिंह ने एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक विजेता रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर और उनके नाम से सुसज्जित विशेष जर्सी व हॉकी स्टिक भेंट कर इस आयोजन के ऐतिहासिक महत्व को और बढ़ा दिया।

जनजातीय संस्कृति और स्वाद से सजेगा आयोजन

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों और दर्शकों के लिए खेल के साथ-साथ मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आतिथ्य को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन स्थल पर विशेष ट्राइबल फूड और आर्ट स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से दुनिया भर से आने वाले मेहमानों को मध्य प्रदेश की अनूठी जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और खानपान से रूबरू कराया जाएगा।

इस महाआयोजन के प्रति प्रदेशभर में जन-उत्साह और खेल के माहौल को चरम पर पहुँचाने के लिए भोपाल से एक भव्य ट्रॉफी टूर की शुरुआत की जाएगी, जो मध्य प्रदेश के सभी संभागों का दौरा करेगा। यह टूर आम जनता और युवाओं को इस ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से सीधे जोड़ने का काम करेगा।

रेलवे पेंशनर्स के लिए विशेष शिविर, स्वास्थ्य जांच के साथ बनेगा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

भोपाल, यश भारत। पश्चिम मध्य रेल द्वारा पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स की सुविधा के लिए नवंबर माह में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना निशातपुरा में 1 से 30 नवंबर तक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके तहत 4 नवंबर को मंडल रेल चिकित्सालय निशातपुरा और 5 नवंबर को पॉलीक्लीनिक हबीबगंज में शिविर लगाया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर को इटारसी 19 को बीना और 26 नवंबर को गुना में शिविर आयोजित होंगे। शिविरों में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करने का प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। वहीं सादिकपुरा स्थित वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ कार्यालय में कार्यदिवसों पर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक सुविधा मिलेगी। 80 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर्स को विशेष सहायता दी जाएगी। साथ ही साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी भी दी जाएगी।



योग से सेहत का संदेश, छोटी आदतों से पर्यावरण संरक्षण की सीख

भोपाल मंडल में मना रहा ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक, रेलवे स्टेशनों से अस्पतालों तक हो रहे जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल, यश भारत।

स्वस्थ शरीर और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश लेकर भोपाल रेल मंडल में ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक मनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे की ओर से 1 से 7 नवंबर तक आयोजित इस अभियान के तहत मिशन लाइफ के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और रेलवे अस्पताल में योग सत्र आयोजित किए गए। इनमें रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस सप्ताह ऊर्जा और जल संरक्षण, खाद्य अपव्यय रोकने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग घटाने, ई-कचरे के उचित निस्तारण और कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाई जा रही है।

रेलवे का उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतें बदलने के लिए प्रेरित करना है ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो सके और पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी का अभियान बने।



बिजली कंपनी के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ा, अब मिलेगा 60 फीसदी

भोपाल, यश भारत। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने नियमित कार्मिकों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 58 से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। यह लाभ 1 जनवरी 2026 से सातवें वेतनमान के तहत लागू होगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2026 के वेतन के साथ किया जाएगा। जनवरी से सितंबर 2026 तक के एरियर का भुगतान नवंबर, दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 के वेतन के साथ तीन समान किश्तों में होगा। इस अवधि में सेवानिवृत्त या दिवंगत हुए कर्मचारियों को एरियर की राशि एकमुश्त दी जाएगी। वहीं कंपनी ने पेंशनरों और परिवार पेंशनरों की महंगाई राहत में भी वृद्धि की है। छठवें वेतनमान के तहत महंगाई राहत 262 प्रतिशत और सातवें वेतनमान के तहत 60 प्रतिशत निर्धारित की गई है। छठवें वेतनमान में 5 प्रतिशत और सातवें वेतनमान में 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बढ़ी हुई राहत जुलाई 2026 से देय होगी।



सड़कों से पकड़े 28 आवारा पशु, कांजी हाउस भेजे

बीमार और घायल 4 पशुओं को पहुंचाया आसरा पशु चिकित्सालय, हांका पार्टी ने 15 पशुओं को हटाया

भोपाल, यश भारत। शहर की सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर खुले में विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिए नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 28 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा जबकि बीमार और घायल 4 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय पहुंचाया। वहीं हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया । निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर लिंक रोड अटल पथ नेहरू नगर माता मंदिर अवधपुरी पिपलानी साकेत नगर बरखेड़ा पठानी गांधी नगर एयरपोर्ट लालघाटी करोंद भानपुर और अयोध्या बायपास सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। निगम की टीम ने सार्वजनिक स्थलों से पशुओं को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की।



शहरभर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 4 ठेले और 25 कैरेट जब्त

भोपाल, यश भारत। नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रहा। निगम अमले ने सीएम हेल्पलाइन महापौर हेल्पलाइन से मिली शिकायतों और नियमित कार्रवाई के तहत कई स्थानों से अवैध कब्जे हटाए। इस दौरान 4 ठेले 1 काउंटर और 25 कैरेट जब्त किए गए। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर कोलार सनखेड़ी 1100 क्वार्टर अंकुर खेल परिसर औरा मॉल बागमुगालिया 11 मील जवाहर चौक भारत टॉकीज रेलवे स्टेशन पीरगेट रॉयल मार्केट और ईदगाह हिल्स सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। बागमुगालिया में चार अवैध चबूतरे और 11 मील व राजहर्ष कॉलोनी में अस्थायी छप्पर हटाए गए। भारत टॉकीज साजिदा नगर और रॉयल मार्केट से रास्ते में बाधक वाहन भी हटवाए गए। वहीं न्यू मार्केट में दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाकर निर्धारित सीमा में रखवाया गया। सड़क और फुटपाथ पर कारोबार करने वाले हॉकर्स को टीटी नगर हाट बाजार भेजा गया। निगम ने दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश भी दी।

मामे खान के सुरों पर झूम उठा लाल परेड ग्राउंड, राजस्थानी लोकगीतों ने बांधा समां

जनजातीय नृत्यों से लेकर सूफियाना संगीत तक दिखी संस्कृति की विविधता

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस समारोह का समापन मंगलवार को लोक एवं जनजातीय संस्कृति और राजस्थानी संगीत के शानदार संगम के साथ हुआ। लाल परेड ग्राउंड में आयोजित अंतिम सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक गायक मामे खान ने अपनी दमदार आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारिया कोरकू और घासी जनजातियों के पारंपरिक नृत्यों से हुई। इसके बाद गुजरात छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र तेलंगाना और राजस्थान के कलाकारों ने लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। मामे खान ने केसरिया बालम से गायन शुरू कर वंदे मातरम् चौधरी छाप तिलक और दमादम मस्त कलंदर? जैसे गीतों से माहौल संगीतमय कर दिया। रेशम का रूमाल ने भी खूब रंग जमाया। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदर्शनियों देशज व्यंजन मेले किसान बाजार और महिला उद्यमिता मंडप ने भी लोगों को आकर्षित किया।



मिठी के बच्चों ने दीपोत्सव पर अपनाया परोपकार का मार्ग



हिरदाराम नगर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में दीपावली के पूर्व एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में परोपकार, सामाजिक उत्तरदायित्व और जरूरतमंदों की सहायता करने की भावना विकसित करना था।

बच्चों से कहा गया कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि वंचित लोगों के जीवन में भी खुशियां फैलाने का अवसर है। इस पहल के तहत छात्रों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपनी क्षमतानुसार जरूरतमंद बच्चों या परिवारों को कपड़े, मिठाइयां, बर्तन या उपहार भेंट करें तथा अपने इस अनुभव को लिपिबद्ध कर फोटो के साथ क्लास टीचर से साझा करें।

प्राचार्या रेखा केवलानी ने कहा कि पर्व का असली आनंद तभी है जब हमारी खुशियों की चमक किसी गरीब के आशियाने को भी रोशन करे। उपप्राचार्या दिव्या कृपलानी ने विचार व्यक्त किया कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं।

80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग रमेश प्रसाद को मिली ट्रायसाइकिल

जनसुनवाई में 116 आवेदकों ने रखीं समस्याएं, अधिकारियों ने सुनी फरियाद

कई मामलों का मौके पर निराकरण

भोपाल, यश भारत।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 116 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जनसुनवाई में एडीएम पीसी शाक्य और अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे ने आवेदकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान 80 प्रतिशत से अधिक पैरों से दिव्यांग रमेश प्रसाद को अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे एवं डिप्टी कलेक्टर अर्चना शर्मा ने ट्रायसाइकिल प्रदान की। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात धैर्यपूर्वक सुनी और समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही मौके पर उपस्थित एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता से कार्रवाई करने और संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



एम्स भोपाल में बुजुर्ग कैंसर मरीजों की देखभाल पर विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित

भोपाल, यश भारत।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अंतर्गत एम्स भोपाल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के जराचिकित्सा जेरिएट्रिक मेडिसिन के विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित किया गया। इसका विषय मैलिग्नेंसी गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल और बुजुर्गों में उपशामक देखभाल रहा। सत्र में एम्स भोपाल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. आकांक्षा चौधरी ने विद्यार्थियों को कैंसर से पीड़ित बुजुर्ग मरीजों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की जरूरतों उपचार के दौरान संवेदनशीलता और उपशामक देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन आनंद कुमार और डॉ. सिवानी तमांग ने किया। इस दौरान बुजुर्ग मरीजों की गरिमा बनाए रखने उनकी शारीरिक एवं मानसिक जरूरतों को समझने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सत्र का उद्देश्य भावी स्वास्थ्य पेशेवरों को बुजुर्ग कैंसर मरीजों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने और बेहतर देखभाल के लिए प्रशिक्षित करना रहा।



हनुमान चालीसा पाठ के साथ मेधावी विद्यार्थी हुए पुरस्कृत



हिरदाराम नगर.

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के मेधावी विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ भी किया गया।

मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी ने विद्यार्थियों को हनुमान जी की तरह अपनी असीम शक्ति पहचानने और निरंतर मेहनत कर आकाश छूने के लिए प्रेरित किया। संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी ने समय का सदुपयोग, बड़ों का आदर, मधुर वाणी और मानव सेवा का संदेश दिया। सचिव बसंत चेलानी ने न्यूनतम फीस में अधिकतम सुविधा देने की बात कही, जबकि समाजसेवी मनोहर वासवानी ने ईश्वर के नाम से शुरुआत कर दूसरों के हित में सोचने की प्रेरणा दी। प्राचार्य आर.के. मिश्रा और मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांषी आडवानी सहित सभी शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में चन्दर नागदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एलएनसीटी कॉलेज में युवा संसद और युवा संवाद का आयोजन, 200 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

नशा मुक्ति और विकसित भारत के संकल्प के साथ युवाओं ने ली लोकतांत्रिक प्रतिज्ञा

भोपाल, यश भारत।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत माय भारत भोपाल द्वारा 3 नवंबर को एलएनसीटी कॉलेज में युवा संसद और विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राओं और युवाओं ने भाग लेकर नशा मुक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम के पहले सत्र में नशा मुक्त युवा विषय पर चर्चा हुई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भोपाल के सुपरिंटेंडेंट कौशिक मन्ना और जूनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर अमन पचौरी ने नशे से जुड़े कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका की जानकारी दी। ब्रह्माकुमारीज के सुखेंद्र जी ने आत्मनियंत्रण और मानसिक मजबूती का संदेश दिया। वहीं राजीव तिवारी ने युवाओं को साथियों के दबाव में नशे से दूर रहने की सलाह दी। दूसरे सत्र में स्पोर्ट्स आइकॉन तरुण सिंह, विशाल कुमार और यूथ आइकॉन नंदिनी पांडे ने युवाओं से संवाद किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार रखे। इस दौरान नशा विरोधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने नशा मुक्त रहने और लोकतांत्रिक मूल्यों के पालन की शपथ भी ली। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में माय भारत भोपाल की डिप्टी डायरेक्टर निक्की राठौर ने अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।





सांदीपनी विद्यालय कुण्डम में बस सेवा शुरू होने के पहले ही दिन अव्यवस्था!

कुंडम। मुख्यमंत्री ने बच्चों की सुविधा के लिए बस सेवा शुरू की। विधायक ने भी हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है।आज सुबह 10:30 बजे चुके हैं, लेकिन बस का कहीं कोई अता-पता नहीं है। बस ड्राइवर का फोन भी नहीं लग रहा है और बच्चे घंटों से सड़क पर बस का इंतजार कर रहे हैं।

आखिर बच्चों की जिम्मेदारी कौन लेगा?

क्या बस सेवा केवल उद्घाटन और फोटो खिंचवाने तक ही सीमित रहेगी या बच्चों को नियमित परिवहन सुविधा भी मिलेगी? प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से मांग है कि इस लापरवाही पर तत्काल संज्ञान लिया जाए और बस का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इसे और प्रभावशाली बनाने के लिए बच्चों के सड़क पर इंतजार करते हुए फोटो के साथ पोस्ट करें।

राजुल एस्टेट : 22 एकड़ की कॉलोनी, सुविधाओं के नाम पर सालों से इंतजार

484 भूखंड बेचकर भी न ओवरहेड टैंक बना, न 58 ईडब्ल्यूएस आवास

राजुल बिल्डर के दिलीप मेहता की जवाबदेही तय कराने कलेक्ट्रेट पहुंचे रहवासी

पनागर। भूखंड बेचकर मुनाफा कमाने में बिल्डर ने कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन रहवासियों को बुनियादी सुविधाएं देने की बारी आई तो सालों से इंतजार ही हिस्से में आया। पनागर की राजुल एस्टेट कॉलोनी में विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई अब प्रशासनिक जांच और कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गई है। 22 एकड़ में विकसित कॉलोनी के 484 भूखंडों के बावजूद न ओवरहेड वाटर टैंक बना और न ही नियमानुसार 58 ईडब्ल्यूएस आवास तैयार किए गए। नतीजन, रहवासी आज भी उन सुविधाओं के लिए परेशान हैं, जिनका वादा कॉलोनी विकसित करते समय किया गया था।

बिल्डर दिलीप मेहता की कथित लापरवाही और स्वीकृत शर्तों के उल्लंघन के खिलाफ राजुल एस्टेट रहवासी कल्याण समिति ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष विधिक अभ्यावेदन प्रस्तुत किया। समिति का आरोप है कि कॉलोनी के विकास संबंधी दायित्व पूरे किए बिना ही भूखंडों की बिक्री कर दी गई, लेकिन जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं हुआ।

दस्तावेजों के मिलान की उठी मांग-

ग्राम पंचायत महगवां ने न तो एनओसी जारी की और न ही कॉलोनी का हैंडओवर लिया है। मामले में जवाबदेही तय कराने समिति ने एसडीएम जबलपुर न्यायालय में चल रही जांच का हवाला देते हुए ग्राम पंचायत सचिव कल्पना अग्निहोत्री को मूल अभिलेखों के साथ साक्ष्य के लिए समन करने की मांग की है। समिति चाहती है कि स्वीकृत लेआउट, विकास कार्यों और पंचायत के दस्तावेजों का मिलान कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।



धोखेबाज बिल्डर पर हो करवाई-

राजुल स्टेट रहवासी समिति के अध्यक्ष विकास पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक पाल सहित प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि विकास कार्यों का सत्यापन होने पर बिल्डर के खिलाफ कठोर प्रशासनिक और दंडात्मक कार्रवाई की जाए। सवाल यह है कि वर्षों से सुविधाओं की बाट जोह रहे रहवासियों को राहत कब मिलेगी और अधूरे विकास की जवाबदेही आखिर किसकी तय होगी..?

साहित्यिक मंचों पर कटनी का गौरव बढ़ा दो पुरस्कारों से सम्मानित

कटनी, यशभारत। कथाकार एवं कवि देवेन्द्र कुमार पाठक को अक्टूबर में दो साहित्यिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ग्वालियर से प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका की कहानी प्रतियोगिता में उनकी कहानी 'गंवई सियासत' को द्वितीय पुरस्कार मिला। वहीं 31 अक्टूबर को जबलपुर की साहित्यिक संस्था 'कादम्बरी' ने गीत विधा के लिए उन्हें 'रामरतन जैन पुरस्कार' प्रदान किया। इसी कार्यक्रम में रश्मि मोयदे 'रागिनी' को दिवंगत विन्ध्या पाठक की स्मृति में सम्मानित किया गया। दो दर्जन पुस्तकों के रचयिता पाठक की नई कविता पुस्तक 'किस मिट्टी के बने हुए हो' शीघ्र ही प्रकाशित होगी।

खेत बचाओ अभियान किसानों को किया जागरूक



गोसलपुर, यशभारत। खेत बचाओ अभियान के तहत सिहोरा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले गोसलपुर के निकट घुटना गांव में सिहोरा कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर कृषि विस्तार अधिकारी अदिती सिंह राजपूत व प्रगतिशील किसानों की उपस्थिति मे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को खेती बचाने के गुर सिखाए। कृषि अधिकारियो ने बताया की कम बारिश की स्थिति में किसानों को ऊँचे ढलान वाले खेतों में कम पानी में होने वाली फसलों को लगाना चाहिए विशेषकर काली मिट्टी वाले ऊँचे टीलों में दलहन और कम पानी वाली तिलहन फसलों को लगाकर नुकसान से बचा जा सकता है।साथ ही अधिकारियो ने सलाह दी की किसान नई माइक्रो वैरायटी के बीजों का उपयोग करें और ह्रःक्क्य उर्वरकों का कम से कम और संतुलित प्रयोग करें ताकि कम लागत और कम पानी में भी अधिक से अधिक फायदा लिया जा सके।



अहंकारी व्यक्ति को भगवान नहीं दिखते: निर्दोष सागर

पनागर, यशभारत। हृदय में कोमलता का ना आना अहंकार है उत्तम मार्दव धर्म को पालने वाला व्यक्ति महान होता है भक्तों को पत्थर नहीं दिखता और अहंकारी को भगवान नहीं दिखता फल से लगे हुए वृक्ष की तरह गुणवंत व्यक्ति नंबर होता है धर्म सबसे पहले झुकने का पाठ सिखाता है अभिमान आत्मा का स्वभाव नहीं है। अभिमानी का व्रत सेल संयम स्वाध्याय निष्फल है जहां अहंकार से अनेक कुबुद्धिया उत्पन्न होती हैं अभिमानी पिता से पुत्र, पुत्र से पिता, गुरु से शिष्य, शिष्य से गुरु, स्वामी से सेवक दूर हो जाता है अर्थात छोड़ देता है।



उपरोक्त मांगलिक प्रवचन पूज्य मुनि श्री 108 संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य पूज्य मुनि 108 श्री निर्दोष सागर महाराज जी ने बड़े जैन मंदिर जी के प्रांगण में विशाल जैन समूह को संबोधित करते हुए कहे। भाव विशुद्ध हुए बिना कैसा त्याग विराग। मान करो मत त्याग का, करो मान का त्याग।। बिना भाव की विशुद्ध हुए त्याग नहीं होता संसारी प्राणी को मान का त्याग करना चाहिए और अपना मूल्यवान जीवन सफल बनाना चाहिए। मन वचन काय की सरलता से पुण्य प्राप्त होता है एवं सरल व्यक्ति की उसकी विरोधी भी प्रशंसा करते हैं।

प्रवचन के पूर्व आज श्री 1008 चंद्र प्रभु भगवान का अभिषेक शांति धारा एवं पूजन इत्यादि धार्मिक कार्य संपन्न हुए ज्ञानचंद जी जैन राकेश चौधरी राजेंद्र जैन विमल जैन संजय जैन संगम जैन टप्पू सज्जू जैन के अलावा भारी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों ने भी अपनी सहभागीता दिखाते हुए शामिल हुई और धर्म लाभ लिया।

सैक्टर की पंचायतों में लटके रहते हैं ताले



सचिवों के दर्शन दुर्लभ, हितग्राही दर-दर भटकने को मजबूर, शासन की योजनाएं कागजों में सिमटी, आदेशों की उड़ रही धज्जियां

जनपद सीईओ नही करती औचक निरीक्षण

गोसलपुर, यशभारत। गोसलपुर अंचल की ग्राम पंचायतों में इन दिनों अव्यवस्था का आलम है अधिकांश पंचायत भवनों में सुबह से शाम तक ताले लटके रहते हैं सचिव समय पर गांव नहीं पहुंचते कई-कई दिन तक सचिवों के दर्शन तक नहीं होते जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

हितग्राही परेशान, योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया की वे पंचायत के चक्कर काट रहे हैं जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, समग्र ई-केवाईसी, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, पीएम आवास और राशन कार्ड से संबंधित कार्यों के लिए हितग्राहियों को रोज पंचायत आना पड़ता है लेकिन सचिव के अभाव में उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ता है शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है।

मुख्यालय पर न रहकर कर रहे हैं खानापूर्ति

ग्रामीणों का आरोप है की सचिव मुख्यालय पर न रहकर मुख्यालय से बाहर निवास कर रहे हैं और कभी-कभार आकर खानापूर्ति कर चले जाते हैं पंचायत के रोजगार सहायक भी मनमानी कर रहे हैं।

शासन के आदेशों की उड़ रही धज्जियां

उल्लेखनीय है की शासन और जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में भी कई बार स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं की सभी सचिव नियमित रूप से पंचायत मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे और पंचायत भवन निर्धारित समय पर खुले रहेंगे इसके बावजूद आदेशों का पालन नहीं हो रहा है।वही दूसरी ओर जनपद सीईओ औचक निरीक्षण नही करती शासन के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

कलेक्टर से शिकायत की तैयारी

जनसेवा समिति के विजय दुबे अरूण पटैल विकास सेन नंदू पटैल और ग्रामवासियों ने निर्णय लिया है की अब जल्द शिकायत कलेक्टर जबलपुर जिला पंचायत सीईओ से की जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है की पंचायतों को प्रतिदिन समय पर खोला जाना सुनिश्चित किया जाए।

रामायण पाठ, भजन और गरबा के महोत्सव का समापन

कटनी, यशभारत। अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं अग्रवाल महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव का शरद पूर्णिमा पर रामायण पाठ, भजन, आरती और गरबा नृत्य के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ममता अग्रवाल रहीं। पूर्व महिला मंडल अध्यक्ष रीता अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन किया।इस अवसर पर अग्रवाल महिला रामायण मंडल ने रामायण पाठ एवं भजनों की प्रस्तुति दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। शिवाजी अखाड़ा के उस्ताद-खलीफा तथा अस्त्र-शस्त्र एवं शक्ति प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। स्व. प्रकाशचंद अग्रवाल की स्मृति में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

पराली प्रबंधन के नाम पर किसानों को परेशान न किया जाए: भारतीय किसान संघ



उप संचालक कृषि को सौंपा ज्ञापन

चार सूत्रीय मांगों पर आदेश स्थगित न करने पर आंदोलन की चेतावनी

गोसलपुर, यशभारत। पराली प्रबंधन को लेकर प्रशासन द्वारा जारी किए गए सख्त आदेशों से किसानों में भारी आक्रोश है इसी को लेकर भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत जबलपुर के पदाधिकारियों ने सोमवार उप संचालक कृषि जबलपुर को ज्ञापन सौंपा।संघ के जिला अध्यक्ष राजेश पटेल एवं महानगर अध्यक्ष राजकुमार पटेल जितेन्द्र पटैल ने बताया की पराली प्रबंधन के संबंध में प्रशासन ने जो आदेश जारी किए हैं वे जमीनी हकीकत से परे हैं और इससे छोटे किसानों का शोषण हो रहा है। किसान संघ ने अपनी संघ ने चार सूत्रीय मांगों में कहा की जहां पर पराली प्रबंधन से संबंधित यंत्र (हैप्पी सीडर, सुपर सीडर आदि) उपलब्ध ही नहीं हैं वहां किसानों को पराली के नाम पर परेशान न किया जाए,हार्वेस्टर, ग्राम पंचायत सचिव एवं परिवहन विभाग को जो कड़े आदेश दिए गए हैं उन्हें तत्काल वापस लिया जाए, छोटे किसान जिनके खेतों तक अंदर गली रास्ता नहीं है और जिनकी जमीन गीली होने के कारण मशीन नहीं जा सकती उन्हें पराली प्रबंधन में हर हाल में छूट दी जाए,किसान धान कटाई के पांच दिन बाद तक पराली प्रबंधन के लिए इंतजार नहीं कर सकता क्योंकि उसे अगली फसल की तैयारी करनी होती है इसलिए प्रशासन को इसमें सहयोग करना चाहिए न की चालान काटना चाहिए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है की यदि इन बिंदुओं को लेकर प्रशासन अपने आदेश स्थगित नहीं करता है तो भारतीय किसान संघ अपना आंदोलन जारी रखेगा।

दीपावली की रौनक पर महंगाई का ग्रहण

सज गया पर बाजार में ग्राहकी अभी ठंडी

कटनी, यशभारत। दीपावली की आहट के साथ कटनी के बाजारों में रौनक दिखाई देने लगी है। दुकानों पर रंग-बिरंगी सजावट के बीच बर्तनों से लेकर पूजन सामग्री तक की दुकानें सज गई हैं। त्योहार की खरीदारी के लिए लोग बाजार पहुंच रहे हैं, लेकिन इस बार बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों का बजट बिगाड़ दिया है। बाजार में चहल-पहल के बावजूद ग्राहकी अभी व्यापारियों की उम्मीद के मुताबिक नहीं है। तांबे, पीतल और स्टील के बर्तनों से लेकर पूजा के सामान और मिठास से जुड़े पारंपरिक उत्पादों तक महंगाई का असर दिखाई दे रहा है। दीपावली की तैयारियों के बीच हर जरूरी वस्तु की कीमत बढ़ने से लोगों को खरीदारी में अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है।दीपावली पर नए बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते बाजार में तांबे, पीतल और स्टील के बर्तनों की आकर्षक रेंज सजाई गई है। दुकानों पर पारंपरिक बर्तनों के साथ आधुनिक डिजाइन के स्टील के बर्तन भी उपलब्ध हैं। हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी के कारण ग्राहक जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, ग्राहक पहले दाम पूछ रहे हैं और फिर अपने बजट के अनुसार सामान पसंद कर रहे हैं। त्योहार के लिए दुकानें सजाने और माल जुटाने के बावजूद बिक्री में अपेक्षित तेजी नहीं दिख रही।बाजार में खरीदारी करने निकली कंचन यादव ने बताया कि दीपावली पर नए बर्तन खरीदना परंपरा है, लेकिन बढ़े दामों के कारण बजट प्रभावित हो रहा है। पहले जितने पैसों में अधिक सामान आ जाता था, अब उतने में कम खरीदारी हो पा रही है। वहीं प्रमोद तिवारी के अनुसार, त्योहार पर जरूरत का सामान खरीदना जरूरी है, लेकिन कीमतें बढ़ने से अब खरीदारी सोच-समझकर करनी पड़ रही है।

दीपावली की पूजा के लिए बाजार में रुई, दीपक, बाती और तेल की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ रही है। इसके साथ ही चंदन, हवन सामग्री और लक्ष्मी पूजन के सामान की कीमतों में भी वृद्धि बताई जा रही है।

दीपावली की खुशियों से पहले बिजौरी में चोरी का ग्रहण!



सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना, नकदी-जेवरात समेटकर हुए रफूचक्कर, दिनदहाड़े वारदात से गांव में हड़कंप

बिजौरी। त्योहार की खुशियां मनाने की तैयारी कर रहे एक परिवार को चोरों ने ऐसा झटका दिया कि घर की खुशियां चिंता और परेशानी में बदल गईं। दीपावली आने से पहले ही अज्ञात चोरों ने बिजौरी गांव में एक सूने मकान पर धावा बोल दिया। दिनदहाड़े शटर का ताला तोड़कर घर में घुसे चोर लाखों रुपये के कीमती सामान, नकदी और सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। चोरी की इस वारदात ने न सिर्फ एक परिवार को आर्थिक संकट में डाल दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूने मकान को बनाया निशाना, शटर से लेकर गोदरेज तक तोड़ डाला!

जानकारी के अनुसार, सुरेश राय किसी काम से धर्मपुरा गांव गए हुए थे। घर पर कोई मौजूद नहीं था। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने दोपहर करीब 1 बजे घर के बाहर लगे शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद चोरों ने गोदरेज अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखी करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात सहित कीमती सामान चोरी कर लिया।

जब सुरेश राय वापस घर पहुंचे तो शटर का टूटा ताला देखकर उनके होश उड़ गए। घर के अंदर जाकर देखा तो अलमारी का लॉक टूटा हुआ था और उसमें रखी नकदी व जेवरात गायब थे। उन्होंने तत्काल परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि दीपावली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले चोरों ने परिवार की जमा-पूंजी पर हाथ साफ कर दिया। घर में रखी नकदी और कीमती आभूषण चोरी होने से सुरेश राय के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जिस समय परिवार त्योहार की खुशियों की तैयारी में जुटा होना चाहिए था, उस समय उसे चोरी से हुए नुकसान की चिंता सताने लगी है। यह वारदात एक परिवार की आर्थिक स्थिति पर गहरी चोट बनकर सामने आई है।

थाना प्रभारी सरोजिनी चौकसे की सक्रियता, जबलपुर से पहुंची डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट टीम!

घटना की सूचना मिलते ही थाना चरगवां पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी सरोजिनी चौकसे द्वारा जबलपुर से डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम को बुलवाया गया। टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच-पड़ताल की और साक्ष्य जुटाते हुए चोरों की पतासाजी की। वहीं पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

थाना प्रभारी सरोजिनी चौकसे का कहना है कि चोरी की घटना दोपहर करीब 1 बजे की है। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है और अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

आमतौर पर चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम देते हैं, लेकिन बिजौरी में चोरों ने दिनदहाड़े घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। इस दुस्साहसिक वारदात ने ग्रामीणों को हैरत में डाल दिया है। गांव में चोरी की घटना को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है और लोगों के बीच अपने घरों की सुरक्षा को लेकर डर का माहौल बना हुआ है।

अब सवाल यह उठता है कि क्या चोरों ने पहले मकान की रेकी की थी या फिर उन्हें घर में रखी नकदी और जेवरात की जानकारी थी? दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस के सामने चुनौती, जल्द गिरफ्त में आएं चोरी के आरोपी!

एक तरफ सुरेश राय का परिवार चोरी से हुए आर्थिक नुकसान से परेशान है, तो दूसरी तरफ थाना प्रभारी सरोजिनी चौकसे के नेतृत्व में चरगवां पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। डॉग स्क्वॉड, फिंगरप्रिंट जांच और सीसीटीवी फुटेज के जरिए चोरों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। अब देखना होगा कि दीपावली से पहले इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी पुलिस की गिरफ्त में कब आते हैं।

अनिल शर्मा और त्रिलोक नायडू बने एमपीसीए के मैच रेफरी





जबलपुर,यशभारत। जबलपुर जिले के क्रिकेट इतिहास में पहली बार दो खिलाड़ियों ने मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) की मैच रेफरी नियुक्ति के लिए आयोजित कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले को गौरवान्वित किया है। जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के सक्रिय सदस्य अनिल शर्मा और त्रिलोक नायडू ने आईसीसी और बीसीसीआई के निर्धारित पैटर्न पर आयोजित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। अनिल शर्मा ने परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि त्रिलोक नायडू ने 65 से 70 प्रतिशत के बीच अंक अर्जित कर सफलता हासिल की। अनिल शर्मा का क्रिकेट से जुड़ा लंबा अनुभव रहा है। वे एमपीसीए की ओर से बोर्ड ट्रॉफी में खिलाड़ी के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा वे लेवल-वन कोच, स्टेट पैनल अंपायर भी हैं। उन्होंने जबलपुर संभागीय क्रिकेट की जूनियर एवं सीनियर टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। वे चयन समिति के सदस्य रहने के साथ ही जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। क्रिकेट के विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुभव का लाभ अब मैच रेफरी के रूप में भी मिलेगा। वहीं त्रिलोक नायडू भी क्रिकेट के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते हैं। उत्कृष्ट विकेटकीपर रहे त्रिलोक ने जबलपुर जिला क्रिकेट संघ (जेडीसीए) की विभिन्न आयु वर्ग की टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। वर्तमान में वे कोचिंग कमेटी के सदस्य होने के साथ सक्रिय अंपायर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मैच रेफरी की परीक्षा उत्तीर्ण करना उनके क्रिकेट करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। दोनों खिलाड़ियों की इस सफलता पर जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के अध्यक्ष निशिथ भाई पटेल, अध्यक्ष निलेश अवस्थी, उपाध्यक्ष नितिन भाटिया, मनोज राय, धर्मेश भाई पटेल सहित संघ के सभी पदाधिकारियों, ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

रणजी ट्रॉफी में बड़ा बवाल, मैच से दो दिन पहले पूरी टीम बदल, मैदान पहुंचकर पुराने खिलाड़ी लौटे

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अंदर चल रही आपसी खींचतान का असर अब मैदान तक पहुंच गया है। नागालैंड के खिलाफ प्लेट डिवीजन के मुकाबले से ठीक पहले मेघालय की पूरी टीम बदल दिए जाने से क्रिकेट जगत में हड़कंप मच गया। मैच शुरू होने से महज दो दिन पहले नई टीम का ऐलान किया गया। हैरानी की बात यह रही कि पिछले तीन मुकाबलों में मेघालय का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी मैदान पर पहुंचे, लेकिन नई टीम को देखकर अपना किट बैग लिया, खिलाड़ियों से मुलाकात की और शुभकामनाएं देकर वापस लौट गए। इस अप्रत्याशित घटनाम ने घरेलू क्रिकेट में टीम चयन और क्रिकेट संघों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस विवाद की जड़ मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जेम्स संगमा और सचिव रेनॉल्ड खार्कमनी के बीच लंबे समय से चल रही खींचतान बताई जा रही है। खार्कमनी को राज्य की अंडर-23 महिला टीम की खिलाड़ियों से जुड़ी यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने अपने निलंबन को मेघालय हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

यूथ ओलंपिक में भारत को तीसरा मेडल

राजकुमारी लंचेनबी चानू का वुशु में ऐतिहासिक कारनामा

डकार (सेनेगल)। भारतीय वुशु खिलाड़ी राजकुमारी लंचेनबी चानू ने मंगलवार को यहां यूथ ओलंपिक 2026 की महिला चांगक्वान संयुक्त स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। वह वुशु में इस प्रतियोगिता का पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। मणिपुर की रहने वाली चानू ने कुल 18.039 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस इवेंट में मिस्र की सोंडोस सोनबोल ने 18.660 अंक के साथ गोल्ड जबकि वेनेजुएला की वालेरिया फ्रैनरीस डुडामेल ने 18.199 अंक के साथ सिल्वर मेडल जीता।



भारतीय खिलाड़ी ने चांगक्वान स्पर्धा में 9.316 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि गुनशु स्पर्धा में 8.723 अंक के साथ वह तीसरे स्थान पर रहीं। डकार युवा ओलंपिक में भारत अब तक एक रजत और दो ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। इससे पहले सोमवार को युवा खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपना अभियान समाप्त किया था। वह युवा ओलंपिक में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय जुडोका बनी थीं। वहीं तैराकी की उभरती खिलाड़ी धिनिधि देसिंघु ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया

अखाड़े में दिखा दमखम - हैदर अली बने जबलपुर किशोर तो अंशुमन ने जीता जबलपुर कुमार का खिताब





जबलपुर,यशभारत। जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय भारतीय शैली कुश्ती प्रतियोगिता का समापन शिवाजी नगर मांडवा, रामपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न अखाड़ों के पहलवानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपने दमदार दांव-पेंच से दर्शकों को रोमांचित किया। प्रतियोगिता में हैदर अली पहलवान ने जबलपुर किशोर, अंशुमन धनगर (लक्की) ने जबलपुर कुमार का खिताब अपने नाम किया, जबकि आदित्य पहलवान को वीर अभिमन्यु की उपाधि से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के उपाध्यक्ष अर्जुन यादव, मध्यप्रदेश भारतीय शैली कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के अध्यक्ष किशोरी लोधी, समाजसेवी राजाराम पटेल, धनगर समाज के प्रदेशाध्यक्ष अनिल धनगर, एडवोकेट हीरा पह. एवं समाजसेवी हाजी रहमान सहित खेमचंद धनगर उपस्थित रहे। अतिथियों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने पर जोर दिया।

इन पहलवानों ने मारी बाजी

प्रतियोगिता के विभिन्न भारवर्गों के फाइनल मुकाबलों में 36 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान अभय पहलवान (आदित्य अखाड़ा), द्वितीय आयुष पहलवान (युवा भवन) और तृतीय गौरव पहलवान (मथुरा उस्ताद) ने प्राप्त किया। 40 किलोग्राम भारवर्ग में आदित्य पहलवान (पंचायती अखाड़ा) प्रथम, सूर्य पहलवान (साईं सेंटर) द्वितीय और मयंक पहलवान (आदित्य अखाड़ा) तृतीय रहे। 44 किलोग्राम भारवर्ग में साहिल पहलवान (युवा भवन) ने पहला, सत्यम पहलवान (आदित्य अखाड़ा) ने दूसरा और शिवा पहलवान (दीनानाथ अखाड़ा) ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी तरह 48 किलोग्राम भारवर्ग में राम पहलवान (गरीबदास उस्ताद अखाड़ा) प्रथम, साहिल पहलवान (पंचायती अखाड़ा) द्वितीय और चिरंजीत पहलवान (साईं सेंटर) तृतीय रहे। 51 किलोग्राम भारवर्ग में कमलजीत पहलवान (साईं सेंटर) ने प्रथम, हिमांशु पहलवान (आदित्य अखाड़ा) ने द्वितीय और निहाल पहलवान (साईं सेंटर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवानों को वीर अभिमन्यु की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं हैदर अली पहलवान (बहादुर उस्ताद) को जबलपुर किशोर का खिताब मिला। इस वर्ग में दीपक पहलवान (यूटीवी) द्वितीय और लखन पहलवान (गरीबदास उस्ताद) तृतीय रहे। जबलपुर कुमार की उपाधि अंशुमन पहलवान (लक्की), पंचायती अखाड़ा ने हासिल की। चेतन पहलवान (गंगाप्रसाद उस्ताद) द्वितीय और विशाल पहलवान (बुद्धेगोंड उस्ताद) तृतीय स्थान पर रहे। मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका देवेंद्र उपाध्याय, विनय प्रजापति, राकेश यादव, चंदन चक्रवर्ती और प्रवीण धनगर ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन अरुण चंद्रवंशी ने किया। अतिथियों ने विजेता पहलवानों को नगद राशि, गदा और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने में मंतो पहलवान, आशीष बेन, दीपक रजक खलीफा, राजेश राजपूत, पवन चक्रवर्ती, सुरेश विश्वकर्मा, दुलीचंद यादव खलीफा, चंद्रपाल यादव, बंटू यादव, जुगल यादव, दिनेश यादव खलीफा और बलराज पासी सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

वीएनडी फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता

केवीएस वन एसटीसी और लियोनार्ड स्कूल ने दर्ज की शानदार जीत



जबलपुर,यशभारत। जिला फुटबॉल संघ द्वारा शिवाजी मैदान में आयोजित वीएनडी फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में केवीएस वन एसटीसी ने लिटिल वर्ल्ड स्कूल को 3-0 से पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में लियोनार्ड स्कूल ने सेंट अलॉयसियस स्कूल, पॉलिपाथर को कड़े संघर्ष में 1-0 से हराकर तीन अंक अर्जित किए।

पहला मुकाबला लिटिल वर्ल्ड स्कूल और केवीएस वन एसटीसी के बीच खेला गया। मैच प्रारंभ होने से पूर्व मुख्य अतिथि नईदुनिया के संपादक उज्ज्वल शुक्ला एवं जिला फुटबॉल संघ की सचिव श्रीमती मृदुला देव का परिचय खिलाड़ियों से कराया गया। खेल शुरू होते ही केवीएस की टीम ने आक्रामक रुख अपनाते हुए गोल करने के प्रयास शुरू कर दिए, लेकिन खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी के कारण शुरुआती प्रयास सफल नहीं हो सके। आखिरकार मैच के 19वें मिनट में केवीएस के अनुराग ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। लिटिल वर्ल्ड स्कूल ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। मध्यांतर तक केवीएस की टीम 1-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी केवीएस ने अपना दबदबा बनाए रखा। मैच के 40वें मिनट में अक्षत ने दूसरा गोल दागा, जबकि 55वें मिनट में एक और गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। निर्धारित समय समाप्त होने पर केवीएस वन एसटीसी ने 3-0 से शानदार जीत दर्ज की।

दिन का दूसरा मुकाबला लियोनार्ड स्कूल और सेंट अलॉयसियस स्कूल, पॉलिपाथर के बीच खेला गया। मैच के मुख्य अतिथि डॉ. सलोनी राज देव जैन एवं डॉ. अर्जित जैन रहे। दोनों टीमों ने शुरुआत से ही एक-दूसरे पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। खिलाड़ियों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों के मजबूत रक्षात्मक खेल के चलते पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा। दूसरे हाफ में लियोनार्ड स्कूल ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए आक्रामक खेल दिखाया। इसका फायदा टीम को 57वें मिनट में मिला, जब रौनक ने व्यक्तिगत प्रयास से शानदार गोल कर लियोनार्ड स्कूल को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। इसके बाद सेंट अलॉयसियस स्कूल ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन लियोनार्ड के खिलाड़ियों ने विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया। अंततः संघर्षपूर्ण मुकाबले में लियोनार्ड स्कूल ने 1-0 से जीत हासिल कर पूरे तीन अंक अपने नाम किए।

रंग संसार



बेटे को पता चला कि मैं रावण की भूमिका में हूं तो वह हैरान रह गया: यश



मुंबई (यशभारत)। आगामी भव्य फिल्म रामायण में रावण की भूमिका निभा रहे अभिनेता यश ने फिल्म की तैयारियों और अपने परिवार से जुड़े एक बेहद दिलचस्प और भावुक किस्से को साझा किया। अभिनेता यश ने बताया कि जब उनके छोटे बेटे को इस बात की जानकारी मिली कि उनके पिता इस पौराणिक कहानी में भगवान राम की भूमिका निभाने के बजाय रावण का किरदार निभाने जा रहे हैं, तो वह काफी हैरान रह गया। एक छोटे बच्चे के लिए यह स्वीकार कर पाना काफी मुश्किल था कि उसके पिता किसी कहानी में मुख्य खलनायक या नकारात्मक भूमिका में हो सकते हैं। यश के अनुसार, उनके बेटे को यह तो अच्छी तरह पता है कि उसके पिता एक मशहूर अभिनेता हैं, लेकिन जब उसे रामायण की पूरी कथा और उसके पात्रों के बारे में बताया गया, तो उसने मासूमियत से अपने पिता से पूछा कि वे इतने बुरे इंसान का किरदार कैसे निभा सकते हैं? उसने अपने पिता से यहां तक कह दिया कि वे तो अच्छे इंसान हैं, फिर वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? बच्चे के इन मासूम सवालों का जवाब देने के लिए अभिनेता को उसे अपने पास बिठाकर काफी विस्तार से पूरी बात समझानी पड़ी। उन्होंने अपने बेटे को समझाया कि किसी भी महान कथा को सही और पूर्ण रूप से समझने के लिए उसके हर पहलू और हर किरदार को पर्दे पर दिखाना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने अपने बेटे को सीख देते हुए कहा कि इस महान कहानी में भगवान राम ही वह मुख्य और सर्वश्रेष्ठ आदर्श हैं, जिनके बताए रास्ते पर हर इंसान को चलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रावण भले ही कितना भी शक्तिशाली और प्रभावशाली क्यों न दिखाई दे।

कॅरियर के शुरुआत में इलियाना को लगता था कैमरे से डर



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने दक्षिण भारतीय सिनेमा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी पहचान बनाई। फिल्म बर्फी में उनके सशक्त अभिनय ने उन्हें देश भर में घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। आज पर्दे पर अपनी खूबसूरती और अभिनय का जादू बिखेरने वाली इलियाना शुरुआत में कैमरे के सामने आने और मॉडलिंग करने से काफी घबराती थीं। इलियाना डिक्रूज के पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा राज्य से संबंध रखता है। जब इलियाना लगभग 10 वर्ष की थीं, तब उनका पूरा परिवार गोवा में जाकर बस गया और वहीं उनकी प्रारंभिक शिक्षा पूरी हुई। बचपन के दिनों में उन्होंने कभी भी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। उनकी मॉडलिंग की दुनिया में प्रवेश की कहानी भी काफी दिलचस्प है। उनकी मां जिस स्थान पर कार्य करती थीं, वहां के एक प्रबंधक ने इलियाना को देखकर उनकी मां को उन्हें मॉडलिंग क्षेत्र में भेजने का सुझाव दिया। शुरुआत में इलियाना को कैमरे का सामना करने में काफी हिचकिचाहट होती थी। वर्ष 2003 में जब उनका पहला व्यावसायिक पोर्टफोलियो तैयार हुआ, तो उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया था। हालांकि, धीरे-धीरे उन्होंने फैशन शो और विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। मॉडलिंग के दौरान ही उन्हें 17 वर्ष की उम्र में वर्ष 2006 में प्रदर्शित तेलुगु फिल्म देवदासु में अभिनय करने का मौका मिला। इस पहली ही रोमांटिक फिल्म में उनके भानुमति के किरदार को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इस फिल्म के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा का प्रतिष्ठित फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू पुरस्कार प्रदान किया गया। पहली ही फिल्म में मिले इस बड़े सम्मान ने उनके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा दिया। इसके बाद उन्होंने पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया और दक्षिण भारत की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। वर्ष 2012 में उन्होंने फिल्म बर्फी के माध्यम से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म में 1970 के दशक की बंगाली लड़की का किरदार निभाना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें बॉलीवुड में भी बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके बाद उन्होंने रुस्तम, रेड, मैं तेरा हीरो और बादशाहो

ऑस्कर की रेस में शामिल हुई प्रियंका की वी वर हियर



मुंबई (यशभारत)। ग्लोबल अभिनेत्री और फिल्म निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है।अभिनेत्री द्वारा निर्मित भारतीय शॉर्ट फिल्म वी वर हियर विश्व के सबसे प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर पुरस्कारों की दौड़ में शामिल होने के लिए आधिकारिक रूप से योग्य घोषित हो गई है। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म वर्तमान समय के एक अत्यंत प्रासंगिक और गंभीर विषय को बहुत ही अनोखे, मनोरंजक और नए दृष्टिकोण के साथ दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती है। प्रियंका चोपड़ा जोनस इस बहुचर्चित शॉर्ट फिल्म से कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ी हुई हैं। यह फिल्म वास्तव में एक मॉक्यूमेंट्री शैली में बनाई गई काल्पनिक वृत्तचित्र कहानी है। इसकी पटकथा भारत के एक छोटे से शहर में रहने वाले तीन ऐसे बुजुर्ग व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समाज में तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के प्रभाव और हस्तक्षेप का विरोध करने का एक अनोखा रास्ता चुनते हैं। एआई की तकनीक को रोकने और उसका विरोध दर्ज कराने के लिए वे तीनों बुजुर्ग खुद विभिन्न घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रूप धारण कर लेते हैं। यह बेतुका लेकिन विचारणीय विचार फिल्म को काफी मनोरंजक बनाता है। ऑस्कर की रेस में जगह बनाने से पहले इस शॉर्ट फिल्म ने दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में अपनी सफलता का परचम लहराया है। प्रसिद्ध पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में इस फिल्म ने बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट जैसे दो बड़े और मुख्य पुरस्कार अपने नाम किए थे। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को जीतने के बाद ही इस फिल्म के लिए ऑस्कर की प्रतिस्पर्धा में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। जानकारों का मानना है कि आधुनिक तकनीक और मानव जीवन के संघर्ष को इस तरह के व्यंग्यात्मक रूप में पेश करना ही इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी है।

सिद्धार्थ और कियारा के साथ वरुण ने शेयर की तस्वीर, लिखा आत्मीय संदेश



मुंबई (यशभारत)। सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपने सह-कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा और उनकी पत्नी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ अपनी हालिया मुलाकात की बेहद खूबसूरत तस्वीर साझा की है। साझा की गई इस तस्वीर में तीनों कलाकार काफी प्रसन्न मुद्रा में नजर आ रहे हैं, जहां पीछे कियारा एक मजाकिया अंदाज में पोज दे रही हैं और सिद्धार्थ अपनी पत्नी का ध्यान रखते दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद लंबे समय से दोनों अभिनेताओं के बीच किसी भी प्रकार की व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता या आपसी मनमुटाव की चल रही तमाम अफवाहों और अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है। वरुण धवन ने इस तस्वीर को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए एक बेहद आत्मीय संदेश भी लिखा। उन्होंने लिखा कि आपस में विचार-विमर्श या किसी बात पर बहस होना एक अलग विषय है, लेकिन उनके और उनके भाई समान मित्र सिद्धार्थ के बीच कभी भी कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं रही है। इसके साथ ही उन्होंने शानदार आतिथ्य और मेहमाननवाजी के लिए अपनी भाभी यानी कियारा आडवाणी का विशेष रूप से धन्यवाद भी व्यक्त किया। इस पोस्ट ने दोनों कलाकारों के प्रशंसकों का दिल जीत लिया है और सोशल मीडिया पर यह तस्वीर तेजी से प्रसारित हो रही है। गौरतलब है कि वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने वर्ष 2012 में प्रदर्शित करण जौहर की बहुचर्चित फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से एक साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी अपना पहला कदम रखा था। अपनी पहली ही फिल्म से इन तीनों ही कलाकारों ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई और समय के साथ बॉलीवुड में खुद को स्थापित और सफल अभिनेताओं के रूप में साबित किया। यद्यपि उस पहली फिल्म के बाद वरुण और सिद्धार्थ ने किसी भी अन्य प्रोजेक्ट में एक साथ काम नहीं किया, लेकिन दोनों के बीच हमेशा एक सम्मानजनक और गहरा दोस्ताना रिश्ता कायम रहा है। वरुण धवन के कियारा आडवाणी के साथ भी बेहद अच्छे पेशेवर और व्यक्तिगत संबंध हैं। दोनों ने वर्ष 2022 में आई पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म जुग जुग जियो में मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

व्हीएफजे को बुलेट प्रूफिंग में महारत हासिल हुई

चंडीगढ़ पुलिस के ISUZU वाहनों की हो रही बुलेट प्रूफिंग

जबलपुर यश भारत। शहर में स्थित व्हीकल फैक्ट्री जिसे रक्षा मंत्रालय ने सेना को वाहनों की आपूर्ति के लिए 1969 में आटोमोबाइल संस्थान के रूप में स्थापित किया था। अब बदले समय में व्हीएफजे आर्मर्ड कम आटोमोबाइल निर्माणी के रूप में स्थापित हो चुकी है। इसका कारण है सैनिक अर्धसैनिक बलों को दुश्मनों से सामना करने के लिए ऐसे वाहनों की आवश्यकता रही ताकि दुश्मनों से सुरक्षित मुकाबला कर सके। सेना की मांग पर पहले एमपीवी का निर्माण किया गया। उसमें कामयाबी के बाद विभिन्न राज्यों से मांग आने पर उसमें सुधार के नये प्रयोग किए जाते रहे और समय के साथ व्हीकल फैक्ट्री ने बुलेट प्रूफिंग में महारत हासिल



कर ली है। जिसके चलते सैन्य और अर्धसैनिक संगठनो के वाहनों की बुलेट प्रूफिंग की मांग बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में चंडीगढ़ पुलिस के तीन ISUZU वाहनों को बुलेट प्रूफ का काम मिला है।उल्लेखनीय है कि दो दशक पूर्व फैक्ट्री में वाहनों को बुलेट प्रूफ बनाने का काम शुरू किया गया था। जिसके चलते 4×4 और 6×6 बुलेट प्रूफ व्हीकल बनाये गये। जिन्हें सेना के साथ विभिन्न राज्यों जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि की पुलिस के लिए आपूर्ति की जाने लगी। साथ ही विभिन्न राज्यों के अर्ध सैनिक बलों की विभिन्न परिस्थितियों के चलते मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के वाहनों को कस्टमाइज़ भी किया किया जाने लगा है। बताया जाता है कि चंडीगढ़ पुलिस द्वारा जल्द से जल्द ढूर्ंढ़ को तैयार कर मांगा। खबर है कि तमाम प्रक्रियाओं के लिए दिसंबर तक का समय मांगा गया है। जिसके लिए जोर-शोर से काम चल रहा है।यह भी जानकारी लगी है कि वर्तमान में तीन वाहनों की आपूर्ति के बाद दूसरी किस्त में और वाहन बुलेट प्रूफिंग के लिए भेजे जाएंगे ?

14 आयुर्वेदिक दर्द नाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्द नाशक तेल
कमर, पीठ, गर्दन का दर्द, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, मोच, सूजन, मांसपेशियों में खिंचाव, लचकना, पिंडलियों, पंजों, हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ पैर में झुनझुनी, कमजोरी एवं कंपन्न, जांघों में दर्द, सिरदर्द हेतु
अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक
उपयोग करते ही असर शुरू
व्यवसायिक पूछताछ हेतु संपर्क करें
9826035091
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत असरकारक

"रेमण्ड शर्ट पीस फ्री"
सिर्फ "500/ Rs." का पेंटपीस लेने पर
© 2401080
रूपाली शो रूम बड़ा फुहरा, जबलपुर

100% सिलाई फ्री © 2401080
सूट के कपड़े लेने पर
Raymond शर्तें लागू* रेमण्ड
Reid & Taylor रीड एण्ड टेलर
OCM SUITINGS ओ.सी.एम.
रूपाली शो रूम बड़ा फुहरा, जबलपुर

लारी हार्ट केयर सेंटर
LARI HEART CARE CENTRE JABALPUR
सैल्वी हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
35000 से ज्यादा कार्डियक प्रोसीजर्स का अनुभव
डॉ. आशीष तिवारी
MD, DM, FIPC, PDF
Interventional Cardiologist
एंजियोग्राफी • एंजियोप्लास्टी • पेसमेकर • डायलिसिस क्लोजर
लारी हार्ट केयर सेंटर, एकता चौक, जबलपुर- शाम 5 से 8 बजे तक | सैल्वी हॉस्पिटल, अहिंसा चौक, विजयनगर, जबलपुर- 9 बजे से 2 बजे तक
आयुष्मान कार्ड से ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है!
अॉल TPA / CGHS / ECHS / Railway / MP Police / सुविधा उपलब्ध
अपॉइंटमेंट (नंबर) के लिए संपर्क करें | समय: दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक | 0761-3554848 | Clinic: 9893336443

भेड़ाघाट में बेकाबू हाईवा ने बाइक सवार को मारी टक्कर



जबलपुर, यश भारत। भेड़ाघाट चौराहे पर बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे तेज रफ्तार हाईवा ने मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि वह कॉलेज में परीक्षा देने जा रहा था। टक्कर से उसके हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया। भेड़ाघाट थाना पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बिना नंबर प्लेट वाले हाईवा के संचालन पर सवाल उठाए। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि सरस्वती घाट से रातभर रेत और पीली मिट्टी का अवैध उत्खनन कर हाईवा से परिवहन किया जा रहा है। दुर्घटना करने वाले हाईवा पर भी नंबर प्लेट नहीं थी और डाले पर लिखा नंबर मिटाया गया था। लोगों ने ऐसे वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

त्रयोदशी कल (5 नवम्बर)



स्व. श्री सरदार सिंह वर्मा

श्री सरदार सिंह वर्मा का स्वर्गवास 23 अक्टूबर 2026 दिन शुक्रवार को हो गया है। जिनकी आत्मा की शांति के लिये गंगाजली पूजन एवं त्रयोदशी का आयोजन दिनाँक 05 नवम्बर 2026 दिन गुरुवार को किया गया है। अतः आप पधारकर ब्रह्मलीन आत्मा को शांति प्रदान करें।

कार्यक्रम समयः दोपहर 01 बजे से

कार्यस्थल	शोकाकुल
16 क्वार्टर के सामने, न्यू कंचनपुर, प्रकाश नगर, अधारताल, जबलपुर (म.प्र.)	अरविंद वर्मा (पुत्र), दिनेश वर्मा, सुरेश वर्मा (पुत्र)एवं समस्त शोकाकुल परिवार
मोबा.: 9687707900, 9425160507	

डॉ. दीपक शुक्ला
MBBS, MD. Respiratory Medicine
खाँसी, अस्थमा, एलर्जी, चाइल्ड अस्थमा, श्वशन एवं निद्रा रोग विशेषज्ञ
समयः दोप. 12.00 से शाम 6.00 बजे तक संपर्कः 9343817176, 8878117888
शॉप 17-20, जी.डी. कॉम्पलेक्स ग्राउण्ड फ्लोर, नेहरु गार्डन के सामने, पुरानी कृष्णा टॉकीज, नगर निगम रोड, जबलपुर

शहर में सबसे कम रेट पर
डिजिटल इको प्रिंट
Indoor & Outdoor Print Solution
हाई क्वालिटी प्रिंटिंग | फास्ट डिलीवरी | वेदरप्रूफ कलर क्वालिटी | बेस्ट क्वालिटी गारंटी
YASH BHARAT, SHATABDIPURAM, UKH/RI CHOWK, JABALPUR
780 48 87888, 982 61 97492

स्नेहनगरः ताला तोड़ 22 लाख रुपए उड़ाए

जबलपुर, यश भारत। शहर के स्नेहनगर इलाके में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर करीब 22 लाख रुपए नकद पार कर दिए। चोरों ने दरवाजे का कुंदा तोड़कर घर में प्रवेश किया और बेडरूम में रखी लकड़ी की आलमारी का लॉकर तोड़कर नकदी लेकर फ्रार हो गए। वारदात का पता मकान मालिक के भोपाल से लौटने पर चला। मदनमहल पुलिस के अनुसार स्नेहनगर निवासी 67 वर्षीय अजय कुमार मिश्रा 30 अक्टूबर को केयरटेकर के साथ भोपाल गए थे। 2 नवंबर को लौटने के बाद दोपहर करीब 3:30 बजे जब वे घर पहुंचे तो साइड के दरवाजे का कुंदा टूटा मिला।

केला चिप्स
AK's Pure & Tasty
चना जोर गरम
रोस्टेड फूड जंक्शन ड्राई फूड
रोस्टेड चना | रोस्टेड पी नट | नमकीन | चिक्की | ड्राई फ्रूट
जनता साईकिल के बाजू में, बड़ी ओमती चौक, जबलपुर मोबा. 7987145201, 9993418910

ये दिवाली, प्रॉपर्टी वाली
शुभ निवेश का शुभ मुहूर्त
समदड़िया बिल्डर्स
11 ACRE MALL
NEW GORAKHPUR
Rental- based Project On Railway Land
Tick Your Shop/ Flat
Construction in full swing....
Shop • Flat • Commercial Hub • Hotel • Multiplex • Food court • Office • Sarafa Bazaar • Mall
Rental Branded Big Showroom • Electronic Bazaar Medical Mall • Hospital • Multipurpose Studio Apartment
MP'S BIGGEST TRIPLE BASEMENT PARKING
दिवाली स्पेशल ऑफर
25% तक डिस्काउंट पाएं
समदड़िया बाजार | Rera No.P-JBP-23-3854 | SHOP & OFFICE CHAMBER
समदड़िया बिल्डर्स ग्रीन सिटी | Rera No.P-JBP-23-3928 | PLOT | DUPLEX | TRIPLEX | FLAT | SHOP
कृष्णा हाईट्स | LUXURIOUS 3 BHK FLAT
राधा गोविंद | Rera No.P-JBP-23-3908 | SHOP & OFFICE CHAMBER
Note : 2 DUPLEX - Near, D' Mart, Bilheri, Jabalpur • PLOT - Mata Mariyam Chowk, Jabalpur • FARM HOUSE - Near, Ramu ji Water Park, Jabalpur
कमर्शियल स्पेस उपलब्ध - रेंट / विक्रय / फ्रेन्चाइसी / प्रॉपर्टी एक्सचेंज
जबलपुर • कटनी • सतना • शिवा • सिंगरौली • राहतगढ़ • भोपाल • देवास • राहतगढ • रतलाम • दतिया • भिंड
ऑफिस समदड़िया बिल्डर्स प्रा. लि.: होटल समदड़िया इन, रसल चौक, जबलपुर | LOTUS AVENUE, सिविल लाइन, जबलपुर
7770966691, 7770966692, 7770966693, 7770966694, 9300350350

प्रत्येक बुधवार निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन
निशुल्क चश्मा वितरण पास की नज़र के
पूर्णतः निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा
समयः 10:00 से 4:00 बजे तक
TRINETRA
त्रिनेत्र नेत्रालय एण्ड डायग्नोस्टिक हॉस्पिटल
नीलकंठ होटल के पीछे, उखरी चौक विजय नगर, जबलपुर
संपर्क करें - 9752157570
असुविधा से बचने हेतु रजिस्ट्रेशन करायें
चश्मे हटाने के लिऐ ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध

DATT SOLITAIRE
Opposite Singh Dharmkanta Near Gulati Petrol Pump, Madan Mahal, Nagpur Road, Jabalpur
फ्री होल्ड जमीन पर
2, 3 & 4 BHK Flats Available
CCTV से कवर्ड कैम्पस
TNCP Approved • Nagar Nigam Approved • Rera Registration No. P-OTH-23-4101
SBI & Other Banks Approved • LIC Approved
कृपया एक बार अवश्य साइट विजिट करें
For Booking Contact
Datt Builders
Office : Opp. Polytechnic College, Napier Town, Jabalpur
9300102463, 9300556000, 9300118111

MAKING CHARGES
0
IGI डायमंड
65000 Designs Available on Various Jewellery Section
ON DIAMOND JEWELLERY
समदड़िया आभूषण

Buy Best Wedding Jewellery At Honest Price
समदड़िया आभूषण
सौभाग्य और समृद्धि से सजे आभूषण खरीदें
सच्चे भाव के साथ
सबसे कम बनवाई
3.9% से शुरु
Chain & Bangles
सभी 7 दिन
हमारे सभी शोरूम खुले रहेंगे
* बनवाई, डिज़ाइन और कलेक्शन के हिसाब से कम-जायदा हो सकता है
समदड़िया मॉल, सराफा बाज़ार, समदड़िया आभूषण कटनी - 8770364894

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)